दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999/- में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 72 मुरादाबाद, 01 July 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

योगी का एलान: यूपी के हर जिले में माफियाओं की भूमि पर बनेंगे गरीबों के आवास, सभी प्राधिकरणों को दिए निर्देश

लीडर रोड के प्रेस मैदान पर आयोजित सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया के कब्जे से खाली कराए गई भूमि पर बने आवास की चाबी लाभार्थियों को सौंपी। इस दौरान उन्होंने प्रयागराज को कन्वेंशन सेंटर सहित कई विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के कब्जे से खाली कराई गई भूमि पर बने पीएम आवास योजना की चाभी लाभार्थियों को सौंपी। शुक्रवार को लीडर रोड प्रेस मैदान पर आयोजित सभा में सीएम ने कहा कि यूपी के हर जिले में प्रयागराज की तर्ज पर माफियाओं के कब्जे से भूमि खाली कराकर गरीबों के लिए आवास का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सभी जिलों के विकास प्राधिकरण को योजना पर अमल करने का निर्देश जारी किया। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों के साथ खड़ी है, जबकि पहले की सरकारें माफियाओं के साथ खड़ी थी। माफिया खुलेआम लूट, अपराध और जमीन पर कब्जा करके लोगों से रंगदारी वसूलते थे और सरकारों उन पर कोई कार्रवाई नहीं करती थी। भाजपा सरकार ने माफियाओं की कमर तोड़ने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) को निर्देश दिया कि प्रयागराज में माफियाओं की जमीन खाली कराकर पत्रकारों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों और अध्यापकों सहित विभिन्न वर्ग के लोगों के लिए आवास योजना तैयार करे।

10 हजार लोगों की क्षमता वाला बनेगा कन्वेंशन सेंटर

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मांग पर सीएम योगी ने शहर में 10 हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन हॉल का निर्माण किया जाएगा। इसमें सभी प्रकार के धार्मिक, सामाजिक और सार्वजनिक कार्यक्रम हो सकेंगे। पांच पांच हजार लोगों के दो कार्यक्रम और दो-दो हजार लोगों के कई कार्यक्रम इसमें एक साथ कराए जा सकेंगे। सीएम ने पीडीओ को इसके लिए भूमि चिन्हित करने के साथ ही डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। योगी आदित्यनाथने कहा कि दुनिया की सबसे पहली गुरुकुल महर्षि भारद्वाज आश्रम में था।

गांवों में गरीबों के लिए बनेंगे 10 लाख आवास

ग्राम्य विकास विभाग की ओर से 10 नए आवास बनने वाले हैं। कहा कि आवासों की झड़ी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के विभाग से निकलने वाली है। उत्तर प्रदेश में पिछले छह वर्ष में 54 लाख गरीबों को आवास मिल चुके हैं। जो गरीब कभी सपना भी नहीं देखते थे कि उनका कभी आवास भी बन पाएगा आज वह उसे साकार होते हुए देख रहे हैं। एक गरीब को आवास मिल जाना उसके स्वावलंबन का आधार बनता है। उसके बच्चों और परिवार के लिए विकास का आधार बनता है। यह आवास योजना इसी का एक हिस्सा है।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

सीएम योगी के कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, सांसद भदोही रमेशचंद्र बिंद, सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल, सांसद इलाहाबाद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, डॉ. वाचस्पति, प्रवीण सिंह पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, पीयूष रंजन निषाद, महापौर गणेश केसरवानी, सुनील मिश्र, भारत भूषण सिंह, विभव नाथ भारती, अश्वनी द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड का समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार, सीएम धामी बोले- जल्द लागू करने पर करेंगे विचार

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता पर गठित कमेटी ने यूसीसी कानून के लिए अपना ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। कमेटी जल्द ही अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयार करने से पहले राज्य के सभी वर्गों, धर्मों, राजनीतिक दलों से बातचीत करने का दावा किया है।

कमेटी को समान नागरिक संहिता पर 20 लाख से ज्यादा सुझाव मिले हैं। कमेटी ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि समान नागरिक संहिता पर अंतिम रिपोर्ट बनाने के लिए कम से कम 143 बैठकों का आयोजन किया गया। अंतिम बैठक 24 जून 2023 को दिल्ली में हुई थी, जिसमें उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों के लोगों से बातचीत कर उनकी राय ली गई थी. कमेटी ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि समान नागरिक संहिता पर अंतिम रिपोर्ट बनाने के लिए कम से कम 143 बैठकों का आयोजन किया गया। अंतिम बैठक 24 जून 2023 को दिल्ली में हुई थी, जिसमें उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों के लोगों से बातचीत कर उनकी राय ली गई थी। कमेटी को 20 लाख से ज्यादा सुझाव मिले हैं, तो उसने लगभग दो लाख लोगों से सीधे मिलकर इस मुद्दे पर उनकी राय जानी है। कमेटी ने कहा है कि रिपोर्ट तैयार करने के लिए उसने राज्य के हर जिले के हर समूह से बात की है और रिपोर्ट में सबकी बातों को समाहित किया गया है। कमेटी की सदस्य जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई ने कहा कि वे जल्द ही रिपोर्ट सरकार को सौंप देंगी। इसके बाद यह सरकार को तय करना है कि वह इसको लेकर अपना क्या रुख अपनाती है।

सीएम ने कहा, जल्द लागू करेंगे कानून

वहीं, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि यूसीसी कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद इसे लागू करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यूसीसी लागू करने को गौरव का क्षण बताया। धामी के बयान को देखते हुए माना जा रहा है कि राज्य जल्द ही समान नागरिक संहिता कानून लागू कर सकता है।

'मोदी को हराने भ्रष्टाचारी मिल रहे साथ', उदयपुर में विपक्षी एकजुटता पर बरसे शाह; कन्हैयालाल पर गहलोत से सवाल

गृह मंत्री शाह ने उदयपुर की एक रैली में पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में चल रहे कार्यों का गुणगान करने के साथ कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि भाजपा ने अपने नौ साल के राज में हमेशा आदिवासी लोगों का सम्मान किया लेकिन कांग्रेस ने केवल इन लोगों को ठगने का काम किया। गृह मंत्री अमित शाह ने आज राजस्थान का दौरा किया। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने जहां पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में चल रहे कार्यों का गुणगान किया, वहीं कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि भाजपा ने अपने नौ साल के राज में हमेशा आदिवासी लोगों का सम्मान किया। मोदी ने हर वादा पूरा किया- उन्होंने कहा कि पहली बार देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी समुदाय से है। शाह ने कहा कि राजस्थान में जब से कांग्रेस की गहलोत सरकार आई है, राज्य में सुरक्षा व्यवस्था चौपट हो गई है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लोगों से जो भी वादे किए थे, वो पूरे किए। अमेरिका में भी गूंज रहा मोदी...मोदी.... शाह ने कहा कि पीएम मोदी जहां भी जाते हैं लोग उन्हें प्यार करते हैं।

शाह ने कहा हाल ही में पीएम मोदी अमेरिका गए थे, वहां के संसद में भी मोदी...मोदी गूंज रहा था।

कन्हैयालाल की हत्या पर सवाल

शाह ने उदयपुर में हुई कन्हैयालाल की हत्या को लेकर भी गहलोत सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार दंगा राज चला रही है। गृह मंत्री ने कहा कि अगर एनआईए जांच न करती तो आरोपी भी पकड़े न जाते।

सीएम गहलोत को लिया आड़े हाथ

शाह ने राजस्थान के सीएम गहलोत को भी आड़े हाथ लिया।

उन्होंने कहा, गहलोत जी बिना बात इस उम्र में इधर-उधर घूम रहे हैं, उन्हें कोई इस सभा का वीडियो दिखाए तो उनको मालूम पड़ेगा कि उनकी सरकार के जाने का समय हो गया है। आज जो नजारा मेवाड़ की धरती पर मेरे सामने है वो बताता है कि 2023 और 2024 में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस सरकार के दौरान केवल 90 एकलव्य विद्यालय थे, लेकिन मोदी सरकार में 2014 से अब तक 500 से अधिक एकलव्य विद्यालय बनाए जा चुके हैं।

आरक्षण मिलने का विरोध भी बंद कर देना चाहिए... पसमांदा मुस्लिमों पर PM मोदी के बयान पर मायावती की टिप्पणी

मायावती ने शुक्रवार को माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर अपना बयान जारी करते हुए कहा कि पीएम मोदी द्वारा भोपाल में बीजेपी के कार्यक्रम में सार्वजनिक तौर पर यह कहना कि भारत में रहने वाले 80 प्रतिशत मुसलमान पसमांदा पिछड़े शोषित हैं यह उस कड़वी जमीनी हकीकत को स्वीकार करना है जिससे उन मुस्लिमों के जीवन सुधार हेतु आरक्षण की जरूरत को समर्थन मिलता है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले बीजेपी द्वारा पसमांदा मुस्लिंमों को साधने की कवायद में तेजी देखी गई है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल के एक कार्यक्रम में पसमांदा मुस्लिमों का जिक्र करते हुए यूनिफॉर्म सिविल कोड का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल अपने फायदे के लिए मुस्लिम भाई बहनों को भड़का रहे हैं। प्रधानमंत्री के इस बयान पर बीएसपी चीफ मायावती ने उन्हें सलाह दी है ॉगिंग साइट ट्विटर पर अपना बयान जारी करते हुए कहा कि पीएम मोदी द्वारा भोपाल में बीजेपी के कार्यक्रम में सार्वजनिक तौर पर यह कहना कि भारत में रहने वाले 80 प्रतिशत मुसलमान पसमांदा, पिछड़े, शोषित हैं, यह उस कड़वी जमीनी हकीकत को स्वीकार करना है जिससे उन मुस्लिमों के जीवन सुधार हेतु आरक्षण की जरूरत को समर्थन मिलता है।उन्होंने कहा कि अब ऐसे हालात में बीजेपी को पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण मिलने का विरोध भी बंद कर देने के साथ ही इनकी सभी सरकारों को भी अपने यहां आरक्षण को ईमानदारी से लागू करते हुए बैकलॉग की भर्ती को पूरी करके यह साबित करना चाहिए कि वे इन मामलों में अन्य पार्टियों से अलग हैं।

क्या कहा था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

भोपाल में मेरा देश सबसे मजबूत कार्यक्रम में शामिल होते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि भारत के मुसलमान भाई बहनों को ये समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल उनको भड़का कर उनका राजनीतिक फायदा ले रहे हैं। हम देख रहे हैं कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर ऐसे लोगों को भड़काने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बार बार कहा है कि कॉमन सिविल कोड% लाओ लेकिन ये वोटबैंक के भूखे लोग... वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने पसमंदों मुसलमानों का शोषण किया है लेकिन उनकी कभी चर्चा नहीं हुई। उन्हें आज भी बराबरी का हक़ नहीं मिलता।

सपा विधायक और भाकियू चढूनी के अध्यक्ष ने जाना आजाद की सेहत का हाल, सीएम योगी पर किया तीखा हमला

भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद पर हुए हमले के बाद हर कोई उनका हाल जानना चाह रहा है। कई नेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर हाल जाना। वहीं, शुक्रवार को सपा विधायक अतुल प्रधान उनका हालचाल जानने पहुंचे। सपा विधायक अतुल प्रधान और भाकियू चढूनी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह शुक्रवार को चंद्रशेखर से मिलने पहुंचे। इस दौरान दोनों ने उनका हाल जाना। वहीं, चंद्रशेखर ने सीएम योगी पर हमला बोला है। कल शाम हुई थी अस्पताल से छुट्टी भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद की हालत में सुधार होने पर डॉक्टरों ने बृहस्पतिवार की शाम करीब 6-00 बजे उन्हें छुट्टी दे दी थी। इसके बाद परिजन उन्हें छुटमलपुर स्थित आवास पर लेकर पहुंचे। जहां चंद्रशेखर का हाल जानने वालों का तांता लग गया। कल से ही उनका हाल जानने के लिए लोगों की भीड़ लगी है। इस बीच कई नेता भी उनका हाल जानने पहुंचे। बता दें कि भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से उन्हें बृहस्पतिवार की शाम को डिस्चार्ज कर दिया गया। शुक्रवार की सुबह पंजाब से किसान नेता भाकियू चढूनी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी चंद्रशेखर से मिलने उनके आवास पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि देश का किसान चंद्रशेखर के साथ खड़ा है। चंद्रशेखर समाज के वंचित वर्गों की लड़ाई पूरी ताकत के साथ लड़ रहे हैं। उन पर हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द हमलावरों को गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का काम करें। इसके बाद सपा के सरधना विधायक अतुल प्रधान भी चंद्रशेखर से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। भाजपा शासन में विपक्षी दलों के नेता भी सुरक्षित नहीं है तो फिर आम आदमी की सुरक्षा की बात क्या की जाए। उधर, चंद्रशेखर पर हमले के मद्देनजर उनके उनके आवास पर सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। फतेहपुर थाना अध्यक्ष प्रमोद रावल ने बताया कि सुरक्षा में चार सिपाही और एक हेड कांस्टेबल तैनात किए गए हैं।वहीं, एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि हिरासत में लिए गए तीन युवकों से अभी पूछताछ की जा रही है। हमले में प्रयुक्त हुई कार बरामद हुई है। इस कार के मालिक के बारे में भी जानकारी हासिल की जा रही है।

संपादकीय Editorial

Tomato black marketing

Today tomatoes are being sold at Rs.100-140 per kg in the country's retail market and on the street, so one remembers the time when the traders of agricultural markets gave the farmer's tomato a price of only Rs.1-2 per kg. . This is not an old era. Only 3-4 months have passed when the farmers were subjected to such economic exploitation and mental harassment. The farmer was considered a 'free animal'. Instead of giving him the fair price of the crop, he was humiliated by giving him a check of only Rs.2 or Rs.10. That too after 15 days check…! Some cases came to the fore that the commission agents of the mandis demanded payment from the farmer by making round-the-clock calculations. Farmers are still dependent on jobbers, so they are trapped in their trap. As a result, how can the income of the farmer increase? We are talking about 86 percent of the farmers who have only 2 hectares of land or are agricultural laborers. In such a situation, if the farmers are not compelled to commit suicide, then what should they do? How to run a household? How to sow the next crop? If you keep borrowing from middlemen, then one day you will become so indebted that everything can be auctioned! Neither any government intervened then nor is it able to stop this black marketing now. Poor farmers had to throw tomatoes on the road or he crushed his own crop under the tractor. The cost has gone, the crop has been destroyed, but the hoarders of the market have been fighting. Tomatoes, onions etc. are suddenly made expensive in a certain season. Don't know which regulatory authority takes this decision and tomatoes start selling at Rs.100-140 per kg across the country! Tomatoes are being sold at Rs 90-140 a kg in many markets of the capital Delhi. Till the first fortnight of June, tomatoes were available at Rs 30-35 per kg. Suddenly it started being sold at the rate of 80, 100 and then 140 rupees per kg. The retailer has only one excuse that it is coming from the mandi itself. Arguments were then given that the supply of tomatoes has been blocked due to rain, hence tomatoes have reduced, as a result they are being sold at a higher price. Many states of India grow tomato and get two crops in a year. It is estimated that this time 2 lakh tonnes of tomatoes have been produced. Where did all that crop go? If tomatoes are being sold expensive, will farmers also get the benefit? Our answer is that not at all. If the traders of mandis collectively buy tomatoes at the rate of Rs.10 per kg and still it is sold for Rs.120-140, then in whose pocket would the rest of the money go? It is obvious that the traders who are involved in black marketing and hoarding of tomatoes go into their vaults. This absurd argument has also been given that instead of destroying the tomato crop, farmers should keep it in cold storage and sell their crop at the right time. So he can get more profit, but there are separate provisions in the Mandi Act that purchases can be made only from licensed mandis. A law was brought so that farmers could sell their crops in the open market, against which the farmers' movement was launched for almost a year. Ultimately the Prime Minister had to withdraw all those three laws and they had to be rejected through the Parliament. Tomatoes are also eaten in salads and added to vegetables. Tomato is essential for every kitchen and household. If the buyer of one kilo of tomato starts buying only 250 grams, then it would also mean that the common man is reducing his expenditure. It will also affect the country's economy, because along with okra, ginger, chili, cauliflower, pulses of tur and arhar are also expensive. A lot is expensive, so the retail inflation rate of 4.25 per cent that the government is promoting seems fake. The upcoming Lok Sabha elections are not far away.

Consent-Disagree: Punishing sex offenders will not change the picture, change in thinking is necessary

From religion to society, there is dominance of masculinity everywhere. In such a situation, where does the question of caring for the rights of women and their will and reluctance arise! Unless the attitude of the society towards women changes, mere punishment of sex offenders is not going to change the picture. The frequent incidents of rape are such a harsh reality of the Indian subcontinent that it cannot be ignored. Rape is also a malevolent way of punishing girls, women. But men are rarely punished for rape. Forced physical contact with wives without consent is common in the subcontinent, for which husbands feel no guilt, let alone punishment. Although the term 'marital rape' has also come here from the West, and it is also discussed, but such women will be counted on the fingers, who file complaints against their husbands on the basis of this.

In a patriarchal society, not only men, but women also believe that husbands have the right to have physical contact with their wives and that women should obey their demands. The thinking of our society is also that women cannot have any will of their own in such matters, nor should they be. Yes, if the woman is not the wife of that man, then there is justification to oppose her. But in the case of physical contact, wives must obey the demands of their husbands. While every physical contact without the consent of the woman is called rape. When a non-man making physical contact with a non-woman is called rape, why should it not be so in the case of husband and wife! Does a woman's desire-reluctance, consent-disagreement have no meaning?

Does getting married mean that a man has a right over a woman's body and mind to beat her whenever he wants, and forcefully make physical contact with her? Significantly, in backward countries, forced sex by husband without wife's consent may not be considered a criminal act, but in civilized countries, husbands have to go to jail for this crime. However, in the course of time, many backward countries change their regressive rules-laws and traditions and bring themselves into the category of civilized countries. But there are some backward countries, who do not want to change according to the times, where the seven bloods of men are forgiven. In such countries, the husband is considered as the master or master and the wife as the slave. Not just a slave, but also a sex slave. This is the reason why marital rape is not considered very seriously in our country.

Obviously, when a large part of the malevolent society will not consider it a crime, then where does the question of seriously considering it arise! The extent is that even in the current 21st century, when modern and humanistic ideas have changed many of the earlier beliefs, marital rape is not considered a crime, especially in backward countries. From religion to society and law and order - there is dominance of malevolence everywhere. Then where does the question of caring for the rights of women and their will and reluctance arise! In the Indian subcontinent, women are told from childhood that their dharma is to obey their husbands, to obey their orders.

This is what the elders of the family, religious education and ethics teach and explain to girls, so that after marriage, when they go to their in-laws house, they show proper manners, obey their husband, do not think about their will or reluctance. etc etc. The harsh truth is that not much changes in a patriarchal society. Such a society remains inert or stable for a long time. For this reason, it is seen that the face of patriarchy in the seventh century, its face is more or less the same in the 21st century, there has not been much change in it. There have been continuous crimes in the male supremacist society.

This society did not hold back in spreading violence as soon as it got a chance. Far from talking about equal rights, this society does not hesitate to target those who talk about taking steps in this direction. The surprising thing is that despite keeping the characteristics like humanity and equal rights for centuries, people are not seen as attackers on such a society. People who believe in the male supremacist system have proved time and again that for them male supremacy is everything, they consider physical and sexual oppression of women as natural. Even today, it is evident from the escape of powerful people who physically misbehave with girls and women, even their hair is not bald.

In most of the crimes against women, it is seen that if they do not talk, walk together or agree to physical contact, then they are killed or acid is poured on their face. Is it possible to change this situation? In backward countries and societies, will the time never come to give importance to the consent-disagreement of women and to consider them as human beings? If this situation is going to continue, then it will definitely be a great disappointment for humanity. But there are such men in the male dominated society, for whom the consent-disagreement of women and their sensitivities are important, who are not governed by male supremacy, but by intelligence and sensibilities. But I do not know in which caves such men hide, who do not stand up to oppose the inhuman and anti-equal rights patriarchal system.Would have been Obviously, merely punishing those who commit atrocities on women will not work. We have seen that even harshest punishment has not been able to reduce the crimes against women. Crimes are committed on women, because the patriarchal society in a way considers it as their right. Therefore, until our society changes, until it does not give importance to the will and reluctance of women, a pleasant change is not possible.

Chenab Valley: If facilities increase, tourism increases, successful organization of G-20 summit raises hope

Due to lack of facilities like accommodation and food in Chenab valley, tourists come less. So facilities should be increased. The beautiful region of Jammu and Kashmir is already known for its natural scenery and rich cultural heritage, but now the successful hosting of the G-20 summit has provided a unique opportunity to highlight the region's tourism potential on a global platform Is. Taking full advantage of this, the administration of this Union Territory has started implementing new initiatives and schemes to attract tourists. By the way, Jammu and Kashmir is known from the Kashmir Valley along with Chenab Valley, Poonch Valley etc. and many other valleys, where nature seems to have sacrificed everything.

But there are many tourist places in Chenab Valley, which have become the center of entertainment for tourists. Bhaderwah, a famous tourist destination under Chenab Valley, is also known as 'Mini Kashmir'. Bhaderwah is 200 kms from Jammu, the main roadways are very good and tourists travel from Jammu to Batote by 'Four Lane Highway'. Green and deep plains, milk-like cold water springs, long pastures and snow-capped high mountains attract tourists here. The 'Joy Valley' of Bhaderwah is most popular among the tourists. But due to the apathy of the tourism department, a large number of tourists are still unaware of this beautiful place. In this regard, 30-year-old Nitin Kumar, a resident of Doda, says, 'At present, tourists have to buy tents to stay here, because there is no proper accommodation. There is no proper arrangement for food and drink.

Doda district is beautiful from every point of view. 'Chinta Valley', which adds to its beauty, is situated at an altitude of 6,500 feet above sea level, which is surrounded by dense forests. There are also many tourist spots here. Thuba Point on Chinta Nahla of Chinta Valley is the highest point of Bhaderwah.

Another beautiful place situated 40 km from Bhaderwah is Bal Padri, which is a beautiful picnic spot, where tourists enjoy snowfall and horse riding. There is a lot of snow here in the winter season. The most beautiful time to visit here is May, June and July. Arjun Thakur, a resident of Doda Balesa, says that it is one of the most beautiful places in Doda. But there is no better arrangement for tourists to stay in Bal Padri. Tourists coming here bring their own tents to stay, otherwise they may have to spend the night under the open sky. Since this is a trekking place, if there is proper arrangement for accommodation and food here, then the number of tourists will also increase. Agriculture is the main occupation of the people of Chenab Valley. But if the tourist places here are improved and all the facilities are provided for the tourists, then this place will emerge on the tourism map and new means of employment will also be available for the local people. Kajal Kumari, a 28-year-old local resident, says,

"If the tourist places of Chenab valley are developed, it will improve the economic condition of the people here. Due to development, this area can be connected to other places of the country as well. Tourism generates employment and also uplifts the standard of living of the people. There are many reasons for the low number of tourists in Chenab Valley, such as lack of necessary facilities and lack of facilities like accommodation and food.

To make the Chenab Valley tourism friendly, there is a need for coordination and development of necessary infrastructure related to the tourism industry. In this regard, Jammu and Kashmir's Tourism Secretary Syed Abid Rashid Shah says, 'We are continuously trying to do new and unique things for the tourists coming to Jammu and Kashmir. Continuous efforts are going on towards achieving this goal.

Now only time will tell how much Chenab Valley and its tourism can be developed. (Charkha Feature)

जिन्हें चलना था समय से वो भी हो रहीं लेट; मुरादाबाद रेल मंडल की लापरवाही से यात्री परेशान

मुरादाबाद-बाधा रहित बिजली उत्पादन बनाए रखने के लिए रेलवे कोयला की मालगाड़ी को प्राथमिकता के आधार पर चला रहा है। इसके अलावा खाद्यान्न की ढुलाई बढ़ गई है। मंडल में प्रत्येक दिन 225 से अधिक मालगाड़ी चल रही हैं। मंडल रेल प्रशासन कम समय में अधिक मालगाड़ी उपलब्ध कराने के लिए खाली गाड़ियों को लांग हाल (दो से अधिक ट्रेनों को जोड़कर) बनाकर चला रहा है। अधिक से अधिक मालगाड़ी चलाने के लिए रेल प्रशासन ने ट्रेनों को पर ध्यान देना बंद कर दिया है। राइट टाइम चलने वाली ट्रेनों को लेट किया जा रहा है। हालत यह है कि ट्रेनें तीन घंटे के बजाय पांच घंटे में आनंद विहार पहुंच रही हैं। बाधा रहित बिजली उत्पादन बनाए रखने के लिए रेलवे कोयला की मालगाड़ी को प्राथमिकता के आधार पर चला रहा है। इसके अलावा खाद्यान्न की ढुलाई बढ़ गई है। मंडल में प्रत्येक दिन 225 से अधिक मालगाड़ी चल रही हैं। मंडल रेल प्रशासन कम समय में अधिक मालगाड़ी उपलब्ध कराने के लिए खाली गाड़ियों को लांग हाल (दो से अधिक ट्रेनों को जोड़कर) बनाकर चला रहा है।

एक नहीं दो नहीं कई घंटे हो रहीं लेट

लांग हाल मालागाड़ी की गति धीमी होती है, इससे पीछे चलने वाली ट्रेनों को बीच रास्ते में रोकना पड़ता है। मुरादाबाद रेल मंडल के सीमा में निर्धारित समय पहुंचे वाली ट्रेनों कई घंटे लेट हो जाती है। उदाहरण के लिए लालकुंआ से आनंद विहार जाने वाली एक्सप्रेस मुरादाबाद रेल मंडल की सीमा कटघर स्टेशन पर गुरुवार सुबह 7¬22 बजे निर्धारित समय पर पहुंच गई थी। नौ मिनट में ट्रेन को सुबह 7¬35 बजे मुरादाबाद स्टेशन पहुंचना था। मालगाड़ी के कारण कटघर में रोक दी गई और मुरादाबाद स्टेशन 40 मिनट यानी सुबह 8¬08 बजे पहुंची।

सुबह पहुंचने वाली ट्रेनें दोपहर को पहुंच रहीं

मुरादाबाद से चलने के बाद इस ट्रेन को बीच रास्ते में रोका जाने लगा। जिसके कारण यह ट्रेन आनंद विहार सुबह 10¬40 बजे के बजाय दोपहर 1¬25 बजे पहुंची। ट्रेन 3.17 घंटे के बजाय पांच घंटे में ट्रेन पहुंची। इसी तरह से लखनऊ से निर्धारित समय पर चलने वाली ट्रेनें पांच घंटे के बजाय नौ घंटे में मुरादाबाद पहुंच रही है। इसके कारण गुरुवार को तिनसुकिया-अमृतसर एक्सप्रेस छह घंटे, सहरसा-आनंद विहार एक्सप्रेस तीन घंटे, बनारस जाने वाली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस तीन घंटे, देहरादून जाने वाली कुंभ एक्सप्रेस छह घंटे, गुवाहटी जाने वाली लोहित एक्सप्रेस नौ घंटे, दानपुर जाने वाली जनसाधारण एक्सप्रेस चार घंटे, फिरोजपुर जाने वाली किसान एक्सप्रेस, अमृतसर जाने वाली जलियावाला बाग एक्सप्रेस चार घंटे, आनंद विहार से गाजीपुर जाने वाली एक्सप्रेस चार घंटे, योगनगरी जाने वाली दून एक्सप्रेस तीन घंटे, सियालदाह एक्सप्रेस तीन घंटे, राज्यरानी एक्सप्रेस तीन घंटे देरी से गई है। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

गंगा नदी में पानी छोड़े जाने से बढ़ी सतर्कता, कंट्रोल रूम से नदी तटों पर बनी बाढ़ चौकियों से ली जा रही रिपोर्ट

मुरादाबाद- मानसून की वर्षा की अटकलों के बीच गंगा नदी में पानी छोड़ा जाना शुरू हो गया है। पहले दिन हरिद्वार से करीब 32,000 क्यूसेक पानी छोड़े जाते ही मुरादाबाद में सिंचाई विभाग सतर्क हो गया। कंट्रोल रूम से नदी तटों पर बनी बाढ़ चौकियों की निगरानी शुरू हो गई। हालांकि जिले में गंगा नदी का सीधा असर नहीं है। जबकि रामगंगा, कोसी और गागन नदी का जलस्तर क्षेत्र में काफी नीचे है। मानसून को देखते ही प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गईं हैं। हरिद्वार से गंगा नदी में पानी छोड़े जाने की सूचना के बाद से सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग की सतर्कता देखी गयी। मंडल मुख्यालय स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष से कर्मचारी नदी तटों का जल स्तर नोट करने लगे। मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा, बृजघाट, नरौरा आदि क्षेत्रों की रीडिंग मुख्यालय भेजी गई। मौसम विज्ञान विभाग ने इन दिनों तेज वर्षा की संभावना जताई है। लेकिन, गुरुवार का दिन आंशिक वर्षा और भारी उमस के बीच गुजर गया। लोग बारिश के साथ नदियों के तट की ओर नजर लगाए देखे गए। किसान, खेतिहर और प्रशासनिक अधिकारी मौसम पर नजर रखे हैं। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण के आपदा विशेषज्ञ पंकज मिश्र का कहना है कि बारिश होने से नदियों के जलस्तर में बढ़त होती है। फिलहाल मुरादाबाद में चिंता की स्थिति नहीं है। फिर भी स्थिति की निगरानी की जा रही है। जिले में 34 बाढ़ चौकियां सक्रिय है और 22 शेल्टर होम भी प्रशासन की ओर से चिह्नित कर प्रबंध किए गए हैं।

जिलाधिकारी का आदेश हवा, पाकबड़ा में खतरा टालने के उपाय नहीं

मुरादाबाद- लापरवाही - हाईवे पर डिवाइडर की ऊंचाई बढ़ाने को 75 लाख रुपये का एस्टीमेट बना दिखावा बरेली-मुरादाबाद हाईवे पर पाकबड़ा जीरो प्वाइंट से होटल रिजेंसी तक का करीब 600 मीटर का सफर खतरे वाला है। यहां डिवाइडर की ऊंचाई बढ़ाने की चर्चा को कई महीने हो गए हैं। लेकिन, अभी तक इसके लिए कोई उपाय प्रारंभ नहीं हुए हैं। जबकि यहां अक्सर हादसे होते हैं। कभी-कभी वाहन डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा में चले जाते हैं और हादसों में कई लोगों की जान चली जाती है। डिवाइडर की ऊंचाई बढ़ाने का मामला दो बार जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में भी उठ चुका है। पिछली बैठक में ही जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों से डिवाइडर की दो फिट और ऊंचाई बढ़ाने को कहा था लेकिन, अधिकारियों ने अनसुनी कर दी। इस बार 28 जून को फिर हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यही बात उठी। ये तो अधिकारियों के निर्देश-आदेश हैं, अनुपालन करना या न करना उनकी मनमर्जी है लेकिन, समस्या सफर करने वालों के लिए है। वाहन चालक थोड़ा सा चूका तो उसमें सवार लोगों की जान खतर में पड़ जाती है। यह बोले- साइट इंचार्ज-एनएचएआई मुरादाबाद डिवीजन के सहायक अभियंता गुरुविंदर सिंह और साइट इंजीनियर मोहम्मद नोमान बताते हैं कि संबंधित एजेंसी ने करीब 600 मीटर डिवाइडर की ऊंचाई बढ़ाने में 75 लाख रुपये के खर्च का आकलन कर एस्टीमेट बना दिया है। यह अधिक लागत वाला एस्टीमेट है। जिसे रिव्यू करने को कहा गया है। खतरे वाले मार्ग से गुजरते हैं प्रदेश भर के वाहन- पाकबड़ा कस्बे में बरेली-मुरादाबाद हाईवे के दोनों ओर घनी आबादी बसी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों के वाहन लखनऊ और प्रयागराज के लिए इसी हाईवे से होकर आवागमन कर रहे हैं। स्थानीय वाहनों के साथ ही अन्य राज्यों के वाहनों का आवागमन अधिक रहता है। ऐसे में पाकबड़ा क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं। पाकबड़ा हाईवे के दो स्थानों में ब्लैक स्पॉट हैं। मेडिकल कालेज के सामने और जीरो प्वाइंट ब्लैक स्पॉट है। पाकबड़ा जीरो प्वाइंट से होटल रिजेंसी तक हाईवे के दोनों तरफ से रेलिंग लगाएंगे। मानकों के हिसाब से एस्टीमेट बना रहे हैं, लोहे की रेलिंग लगाने की योजना है। -अनुज जैन, परियोजना निदेशक

नौ साल में केंद्र सरकार ने किया विकास, पारदर्शिता से मिला योजनाओं का लाभ

मुरादाबाद-केंद्र सरकार के नौ साल बेमिसाल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने भाई भतीजावाद, परिवारवाद को पोषित करने की जगह देशहित में काम कर रही है। यह बातें भाजपा नेता व देहात विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रहे केके मिश्र ने रामगंगा विहार के रेस्टोरेंट में पत्रकारों से बातचीत में कही। देश में रोजगार बढ़ा है, सामाजिक अपराध घटे हैं। सरकार गरीब कल्याण और सुशासन के लिए काम कर रही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं 40 परिवारों में संपर्क किया है। जिले में पिछले विधानसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता न मिलने के सवाल पर कहा यहां की जनता को भी योजनाओं का पूरा लाभ मिल रहा है। संपर्क से समर्थन अभियान नगर और देहात विधानसभा में लगभग पूरा हो चुका है। आगामी लोकसभा चुनाव में सभी मिलकर पार्टी की ओर से भी जो भी प्रत्याशी आएगा उसे जिताकर देश में लोकतंत्र को मजबूत बनाएंगे। इस दौरान महानगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा, निमित जायसवाल, राजीव गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।परिवारवाद, भाई भतीजावाद से परे देशहित में काम कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र सरकार के 9 साल के कार्यकाल पूरा होने पर रामगंगा विहार के रेस्टोरेंट में पत्रकारों से बातचीत करते भाजपा नेता केके मिश्र व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा।

नाला में गिरी गाय, दरोगा ने वर्दी पहन रेस्क्यू कर बचाई जान...हर तरफ हो रही प्रशंसा

मुरादाबाद-कटघर थाना इलाके में एकता विहार के पास नाले में एक गाय गिर गई। रामपुर दोराहा चौकी प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मियों ने वर्दी में ही गाय का रेस्क्यू करना शुरू कर दिया। वह जूते उतारकर खुद नाले में उतर गए। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गाय को नाले से बाहर निकाला गया। खास बात यह रही कि रेस्क्यू ऑपरेशन में मुस्लिम समाज के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दरअसल, पूरा मामला गुरुवार सुबह का है।चौकी प्रभारी बकरीद की शांति व्यवस्था ड्यूटी में गोट गांव में तैनात थे। उसी दौरान उन्हें गाय के दलदल में फंसने की सूचना मिली। थाना कटघर के चौकी इंचार्ज ओम शुक्ला घटनास्थल पर पहुंचे और वहां रूककर आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया। तभी दोपहर की नमाज पढ़कर आ रहे नमाजी गाय को नाले में फंसा देख मदद के लिए रुक गए और मोटी रस्सी मंगवाकर उसके सहारे गाय को निकालने की कोशिश की। गाय के दलदल में ज्यादा फंसे होने की वजह से बाहर ना निकलने पर जेसीबी बुलाई गई। चौकी इंचार्ज ओम शुक्ला ने अपनी वर्दी और मुस्लिम नमाजियों ने अपने कपड़ों की परवाह किए बिना जेसीबी की मदद से रस्सी से गाय को बांधकर बमुश्किल बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। इस पूरे रेस्क्यू का वीडियो बनाकर लोगों ने वायरल कर दिया है।

नदियों में अवैध खनन किसी भी हालत में न हो, इसको अधिकारी सुनिश्चित करें

मुरादाबाद -आयुक्त सभागार में मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि बिजली पोल से संबंधित सभी समस्याओं पर विशेष ध्यान दें तथा एक अभियान चलाकर सभी विद्युत पोलों को चैक करवाया जायें। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि नदी से अवैध खनन किसी भी हालत में न होने पायें, इसका कड़ाई से अनुपालन किया जाये। मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि नदी के किनारे एक कार्ययोजना बनाकर वृक्षारोपण करवाया जाये, इसमें शिथिलता न बरती जायें। उन्होंने नगर निगम के संबंधित अधिकारी से नालियों में बह रहें गोबर के संबंध में उचित कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में सोर्सिग हब संचालित किये जाने के सम्बन्ध मे संबंधित अधिकारी एम0डी0ए0 द्वारा अवगत कराया गया कि दिनांक 28.03.2023 को सम्पन्न हुई प्राधिकरण की 132वीं बैठक में प्रदान की गयी स्वीकृति के क्रम में प्राधिकरण द्वारा एक समिति गठित की गयी है। समिति द्वारा सोर्सिंग हब के संचालन हेतु आवश्यक नियम व शर्तो को निर्धारित किए जाने के संबंध में परीक्षण कर विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र ही प्रस्तुत किया जायेगा। रामपुर रोड, एकता विहार, कबीर नगर, काशीपुर तिराहा पर पानी निकासी हेतु आर0सी0सी0 नाले का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में सचिव एम0डी0ए0 ने अवगत कराया कि उक्त समस्या के निवारण हेतु जीरो प्वाइंट, रामपुर रोड से राजकिरन इंटर कालेज को जाने वाले मार्ग से होते हुए कालेज के पीछे स्थित प्राकृतिक नाला बनाये जाने का प्रस्ताव है। मौहम्मदपुर बस्तोर सम्भल रोड, मुरादाबाद पर नाले के निर्माण के सम्बन्ध में एमडीए के संबंधित अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में परियोजना की पूर्व स्वीकृत लागत को वर्तमान दरों पर संशोधित कर दिया गया है, जिसके अनुसार परियोजना के संशोधित लागत 2446 लाख हो गयी है। उन्होंने बताया कि परियोजना का वित्त पोषण शासन की अवस्थापना निधि से किए जाने हेतु शासन से अनुरोध किया जा रहा है। जनपद मुरादाबाद में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा 100 बेड का चिकित्सालय स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में राज्य कर्मचारी बीमा निगम मुरादाबाद के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध मे अग्रेत्तर कार्यवाही की जा रही है। जनपद सम्भल मे गंगा एक्सप्रेस मार्ग के पास इण्डस्ट्रीयल एरिया स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में यूपीसीडा के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उपजिलाधिकारी सम्भल से ग्राम खिरनी, पवासा एवं जंगलपुर तहसील सम्भल जनपद जनपद के ग्राम सजरा पर इंडस्ट्रियल एरिया हेतु चिन्हित भूमि को दर्शाते हुए भूमि से संबंधित पूर्ण विवरण चाह गया है। मण्डलायुक्त द्वारा कहा गया बढ़ावा देने के लिये मुरादाबाद मण्डल का इन्फ्रास्ट्रक्चर को अच्छा करना अत्यन्त आवश्यक हैं। उन्होंने कहा की उद्यमियों की समस्याओ के निवारण के लिये सिंगल विण्डो सिस्टम जारी किया गया है तथा उद्यमियों की जो भी समस्याएं है उसका गुणवत्तापूर्वक समाधान किया जायेगा।

तीस हजार की रिश्वत लेते पकड़े गए बिजली विभाग के लिपिक को भेजा जेल

मुरादाबाद-तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए बिजली विभाग के लिपिक शरद भटनागर को दोपहर बरेली कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

गलशहीद के भूड़े का चौराहा मो. सिराज की शिकायत पर निरीक्षक विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में एंटी करप्शन टीम की टीम ने शिवपुरी बिजली घर में तैनात लिपिक शरद भटनागर को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया था।

मो. सिराज ने बताया था कि उनके चचेरे भाई तालिब हुसैन के घरेलू कनेक्शन की चेकिंग में जेई ने बिजली का लोड 148 वाट बताते हुए अपनी रिपोर्ट दी थी। लोड का सेटेलमेंट कराने के लिए वह शिवपुरी के बिजलीघर पहुंचे तो लिपिक शरद भटनागर ने रिश्वत मांगी थी। प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में कटघर थाने में केस दर्ज कराया गया था। मझोला के बुद्धि विहार निवासी शरद भटनागर को बरेली कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस मामले में विवेचना पूरी करने के बाद जल्द चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कुंभ मेले की तैयारियों में जुटी सरकार : जल शक्ति मंत्री ने कहा, तीन माह में सभी एसटीपी चालू कराएं

कुंभ मेले से पहले गंगा को पूर्णत स्वच्छ व निर्मल बनाने की मुहिम चल रही है। इसके लिए बनाई गई कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंथन किया।वर्ष-2025 में होने वाले प्रयागराज कुंभ की तैयारियों के लिए सिंचाई विभाग ने कमर कस ली है। इस बाबत पूरी कार्ययोजना तैयार की गई है। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि खास तौर पर गंगा व उसकी सहायक नदियों में गिरने वाला दूषित जल रोकना होगा। इसके लिए तीन माह में सभी एसटीपी या दूसरे संयंत्र चालू कर दिए जाएं। सभी संबंधित विभागों से इसमें समन्वय स्थापित किया जाए।कुंभ मेले से पहले गंगा को पूर्णत स्वच्छ व निर्मल बनाने की मुहिम चल रही है। इसके लिए बनाई गई कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंथन किया। इस मौके पर गंगा एवं उसकी सहायक नदियों में प्रदूषण की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन ने प्रस्तुतिकरण दिया जिसमें विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित किए जा रहे एसटीपी व सीईटीपी की वर्तमान स्थिति बताई गई।बताया गया कि सीवेज उत्सर्जन, उत्प्रवाह के सापेक्ष पर्याप्त संख्या में एसटीपी या निर्माणाधीन है। कुछ की टेंडर एवं डीपीआर अनुमोदन की प्रक्रिया में है। गंगा नदी में प्रदूषण की पहले से कम हुआ है। गंगा पोल्यूशन स्ट्रेच प्रयोरिटी चौथे से अब पांचवी में पहुँच गई है। जिन एसटीपी में मानक पूरे नहीं हुए उन पर दोबारा बदले डिजाइन आधारित संयंत्र बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

निगरानी बेहद जरूरी

बैठक में कहा गया कि प्रदूषण विभाग यदि और गंभीरता से निगरानी करे तो प्रदूषण पर तगड़ी लगाम लग सकती है। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि उत्प्रवाह की सतत निगरानी करते रहें। सभी परियोजनाओं को विभिन्न विभाग समय से पूरा किया जाए। नमामि गंगे के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने निर्देश दिए कि राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नियमित रूप से एसटीपी व औद्योगिक इकाईयों के इनलेट और आउटलेट की जांच होनी ही चाहिए। परियोजना निदेशक डा. बलकार सिंह ने बताया कि हिंडन बेसिन में गिर रहे सभी नालों को टैप करने की परियोजना स्वीकृत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 75 जिला गंगा समितियों का गठन किया जा चुका है।

सर्व सेवा संघ भवन पर आज चलेगा बुलडोजर: गेट पर विरोध प्रदर्शन शुरू, अजय राय समेत कई नेता पहुंचे

वाराणसी में जिला प्रशासन शुक्रवार यानि आज सर्व सेवा संघ भवन पर बुलडोजर चलाने की तैयारी में है। कांग्रेस इस मामले को लेकर मुखर है। तो वहीं देश भर के बुद्धिजीवी, गांधीवादी और विचारक इस आदेश के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ को रेलवे जिला प्रशासन के तोड़े जाने के विरोध में शुक्रवार को चांदी विचारकों के साथ कई राजनीतिक दल के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। विरोध कर रहे लोगों ने जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी किया। हाथ में बैनर पोस्टर लेकर विरोध कर रहे लोगों ने पीएम मोदी और सीएम योगी समेत जिला प्रशासन, कमिश्नर और डीएम के खिलाफ नारेबाजी की। राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ को रेलवे जिला प्रशासन के तोड़े जाने के विरोध में शुक्रवार को चांदी विचारकों के साथ कई राजनीतिक दल के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। विरोध कर रहे लोगों ने जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी किया। हाथ में बैनर पोस्टर लेकर विरोध कर रहे लोगों ने पीएम मोदी और सीएम योगी समेत जिला प्रशासन, कमिश्नर और डीएम के खिलाफ नारेबाजी की। सर्व सेवा संघ के प्रवेश द्वार पर धरना दे रहे लोगों ने आरोप लगाया कि सर्व सेवा संघ की जमीन को सत्ता के इशारे पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले एक माह से सर्व सेवा संघ के लोग प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध प्रदर्शन कर रहे है। राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ भवन पर 30 जून को प्रशासन बुलडोजर चलवायेगा। जिसको लेकर तमाम बुद्धिजीवी, गांधीवादी और विचारक इस आदेश के खिलाफ एकजुट होकर सर्व सेवा संघ के गेट बंद पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। समिति के के लोगों का कहना है कि सर्व सेवा संघ तोड़ने के फैसले पर प्रशासन को दुबारा सोचना चाहिए। इस धरोहर को बचाने के लिए महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी समेत तमाम नेताओं से भी अपील की है। रेलवे की ओर से 13 एकड़ में बने सर्व सेवा संघ को जमींदोज करने की तैयारी है। जिसको लेकर रेलवे प्रशासन ने पहले ही नोटिस जारी कर सूचित कर दिया था। जिसके बाद से सर्व सेवा संघ से सर्व सेवा संघ से जुड़े लोग प्रदर्शन कर रहे। सर्व सेवा संघ की जमीन के मालिकाना हक पर चल रहा विवाद जिलाधिकारी एस. राजलिंगम की कोर्ट में चल रहा था। जहां सुनवाई के दौरान रेलवे के हक में फैसला दिया गया। उन्होंने सर्व सेवा संघ का निर्माण अवैध करार देते हुए जमीन को उत्तर रेलवे की संपत्ति माना है। सर्व सेवा संघ भवन को ध्वस्त करने के लिए उत्तर रेलवे प्रशासन ने 30 जून 2023 की तिथि नियत कर दी गई है।

विरोध प्रदर्शन में पहुंचे अजय राय समेत कई नेता

राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ के ध्वस्तीकरण को लेकर विरोध का स्वर तेज हो गया है।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय राय समेत कई नेता शुक्रवार को सर्व सेवा संघ पहुंचे। हालांकि हाईकोर्ट में इसको लेकर एक याचिका भी दायर की गई है। जिसपर शुक्रवार को सुनवाई होनी है। सर्व सेवा संघ में भारी फोर्स के साथ भवन का ध्वस्तीकरण कर पूरे जमीन को खाली कराया जाएगा। इस जमीन पर कार्रवाई के लिए रेलवे द्वारा नोटिस जारी की जा चुकी है। इस मामले में महात्मा गांधी की विरासत को बचाने के लिए वहां रहने वाले गांधीवादी नेताओं ने विरोध किया, लेकिन प्रशासन अपनी बात पर अडिग है। उधर, प्रियंका गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि भाजपाई प्रशासन द्वारा इसे अवैध बताकर कार्यवाही शुरू करना महात्मा गांधी के विचारों और उनकी विरासत पर एक और हमला करने की कोशिश है। सर्व सेवा संघ की जमीन को बचाने के लिए देश भर से गांधीवादी विचारक व बुद्धिजीवी वाराणसी पहुंचने लगे हैं। भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और प्रो. आनंद कुमार भी वाराणसी पहुंच सकते हैं। इसके अलावा डॉ सुनीलम, पूर्व सांसद अनिल हेगड़े, रघु ठाकुर, अमरनाथ, महादेव, बिहार से विनोद रंजन, पंकज, विजय, मनोहर मानव, सत्येंद्र सिंह, जेपी सिंह और अनोखेलाल सहित 50 से अधिक लोग पहुंच चुके हैं। इसके अलावा लोकतंत्र सेनानी विजय नारायण, पूर्व एमएलसी अरविंद सिंह, राधेश्याम सिंह, सतनाम सिंह, कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय, संजीव सिंह, विनय राय मुन्ना, गांधी स्मारक निधि के लाल बहादुर राय, राबर्ट्सगंज से पूर्व चेयरमैन समाजवादी अजय शेखर भी पहुंच रहे हैं।

गीताप्रेस की तैयारियां पूरी: शिव महापुराण का विशिष्ट अंक छपकर तैयार, अब PM मोदी का इंतजार

गोरखपुर से चलने वाली पूर्वोत्तर रेलवे की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस की तैयारियां तेज हो गई हैं। सात जुलाई को प्रधानमंत्री इस ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं। ट्रेन चलाने के लिए चेन्नई की कोच फैक्ट्री से बृहस्पतिवार को बोगियां गोरखपुर के लिए रवाना हो गईं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर गीताप्रेस ने अपनी तैयारी कर ली है। शिव महापुराण का विशिष्ट अंक छपकर तैयार हो गया है। 200 रंगीन शिव लीला चित्रों वाले इस विशिष्ट अंक का विमोचन प्रधानमंत्री नरेंद्र करेंगे। 1,088 पृष्ठ की इस पुस्तक का मूल्य 1,500 रुपये रखा गया है। पहले संस्करण में पांच हजार पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं।गीता प्रेस के प्रबंधक डॉ. लालमणि तिवारी ने बताया कि 200 रंगीन लीला चित्रों के साथ आर्ट पेपर पर शिव महापुराण के प्रकाशन पहली बार हुआ है। हनुमान चालीसा को पहली बार आर्ट पेपर पर चित्रों के साथ छापा गया था। अब इसके बाद श्रीमद्भागवत गीता, रामचरितमानस, दुर्गा सप्तशती, सुंदर कांड और शिव पुराण को छापा गया है। बताया कि शिव महापुराण की अब तक 22.5 लाख से अधिक प्रतियां हिंदी, गुजराती, बांग्ला, तेलुगू, कन्नड़, तमिल और उड़िया भाषा में प्रकाशित हो चुकी हैं। गीता प्रेस से अब तक सात भाषाओं में शिव महापुराण का प्रकाशन हो चुका है। इनमें सबसे ज्यादा हिंदी, दूसरे स्थान पर गुजराती भाषा की प्रतियां छापी गई हैं।गोरखपुर से चलने वाली पूर्वोत्तर रेलवे की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस की तैयारियां तेज हो गई हैं। सात जुलाई को प्रधानमंत्री इस ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं। ट्रेन चलाने के लिए चेन्नई की कोच फैक्ट्री से बृहस्पतिवार को बोगियां गोरखपुर के लिए रवाना हो गईं। शनिवार तक इसके यहां पहुंचने की संभावना है। ट्रेन चलाने के लिए अभी कोई रूट और समय तय नहीं है। बताया जा रहा है कि वंदे भारत एक्सप्रेस का पहला रूट गोरखपुर-लखनऊ (वाया अयोध्या) प्रयागराज हो सकता है।वंदे भारत को गोरखपुर से लखनऊ होते हुए प्रयागराज तक चलाने की तैयारी है। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी। गोरखपुर से ट्रेन दोपहर तीन बजे रवाना होकर शाम 7.20 बजे लखनऊ पहुंचेगी। लखनऊ से प्रस्थान कर रात 10.50 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। प्रयागराज से यह ट्रेन सुबह 6.20 बजे प्रस्थान करके सुबह 9.50 बजे लखनऊ पहुंचेगी। यहां से दोपहर 2.20 बजे गोरखपुर आएगी। 130 की होगी स्पीड, सिग्नल की बढ़ा रहे क्षमतावंदे भारत ट्रेन चलाने के लिए गोरखपुर-लखनऊ रूट पर ऑटोमेटिक सिग्नल लगाए जा रहे हैं। इससे इस रूट पर ट्रेनें 110 की जगह 130 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेंगी। लेकिन, जब तक यह कार्य पूरा नहीं होगा गोरखपुर से लखनऊ तक ट्रेन 110 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। एनईआर सीपीआरओ पंकज सिंह ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली रैक मिल चुकी है। इसके गोरखपुर आते ही ट्रेन के संचालन का ट्रायल किया जाएगा।गोरखपुर रेलवे स्टेशन भवन के पुनर्विकास योजना का भी प्रधानमंत्री शिलान्यास कर सकते हैं। रेलवे स्टेशन को आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया जाएगा। भवन के पुनर्विकास योजना की नई डिजाइन और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को रेल प्रशासन ने रेलवे बोर्ड को भेज दी है। अब निर्माण कार्य की लागत 612 करोड़ रुपये से बढ़कर 693 करोड़ हो गई है। सहजनवां-दोहरीघाट नई रेल लाइन का भी होगा शिलान्यास-सहजनवां से दोहरीघाट के बिछाई जाने वाली नई रेल लाइन का भी शिलान्यास प्रधानमंत्री कर सकते हैं। इस रेल लाइन को बिछाने के लिए जमीन अधिग्रहण की तैयारी चल रही है। सहजनवा-दोहरीघाट नई रेल लाइन को चार साल में बिछाने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रोजेक्ट तीन चरणों में पूरा होगा। पहला चरण मार्च-24 में पूरा होगा। इसमें सहजनवा से बैदौली तक 27 किलोमीटर तक रेल लाइन बिछाई जाएगी।कृषि विश्वविद्यालय का भी होगा शिलान्यास- कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि विश्वविद्यालय का शिलान्यास भी प्रधानमंत्री के हाथों शिलान्यास होगा। इसकी तैयारी भी शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री इसके लिए कुशीनगर जाएंगे या गीता प्रेस में होने वाले कार्यक्रम से ही शिलान्यास कर देंगे यह तय नहीं है। प्रशासन के मुताबिक दो दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
KNLSLIVE
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

सशस्त्र सीमा बल भिनगा की कम्पनियो के बीच वॉलीबाल मैच का हुआ आयोजन

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -श्रावस्ती संदीप कुमार जेटली , द्वितीय कमान अधिकारी (कार्यवाहक कमान्डेंट) 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा निर्देशन में 'ई' कम्पनी भैसाईनाका के प्रांगण में 'एफ़' कम्पनी सशस्त्र सीमा बल, सोनपथरी एवं 'ई' कम्पनी सशस्त्र सीमा बल भैसाई नाका के बीच वालीबाल मैच का आयोजन किया गया इस दौरान 'एफ़' कम्पनी सोनपथरी एवं 'ई' कम्पनी भैसाईनाका के बीच 03 वालीबाल मैच खेला गया जिसमे ई' कम्पनी भैसाईनाका तीन/दो से बिजयी रही इस मौके पर 'ई' कम्पनी भैसाई नाका प्रभारी उप निरीक्षक सुमन कल्याण एवं उनकी टीम के जवान मुख्य आरक्षी राकेश सिंह यादव, आरक्षी सुनील कुमार,मुख्य आरक्षी समनजीत, मुख्य आराखी मानवेन्द्र प्रताप सिंह, आरक्षी रमेश यादव, आरक्षी पियूष कान्त राय, एवं 'एफ़' कम्पनी सोनपथरी से मुख्य आरक्षी नरेन्द्र सिंह एवं उनकी टीम के जवान आरक्षी दुर्गेश कुमार यादव, आरक्षी तन्मय राय, आरक्षी अखिलेश कुमार, आरक्षी तरसेम सिंह, आरक्षी मृत्युंजय कुमार, आरक्षी राहुल कुमार वालीबाल मैच में प्रतिभाग किये

नहीं थम रहा आम के हरे पेड़ों का कटान

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती थाना क्षेत्र सोनवा के अंतर्गत लक्ष्मण नगर पुलिस चौकी के चंद्रकदम दूरी पर लक्ष्मण नगर चौराहे से गिलौला रोड पर आम की भरी लकड़ी ट्रैक्टर ट्राली से खुलेआम ले जा रहे हैं जबकि फलदार वृक्ष होने से अभी सरकार द्वारा परमिशन नहीं दिया जा रहा है लेनकिन प्रशासनिक अधिकारी की मिलीभगत से फलदार वृक्षों के कटान पर रोक नहीं लग पा रहा है तथा लकड़ कट्टों के हौसले बुलंद है इस संबंध में चौराहे पर लक्ष्मन नगर ट्राफिक की भी ड्यूटी रहती है व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहते हैं फिर भी लकड़ कट्टे से मिलीभगत करके ओवरलोडिंग ट्राली आम के लकड़ी को लेकर सामने से लोड कर निकलती है जिससे लकड़ कट्टों के हौसले बुलंद है और प्रशासन मौन है जबकि बंद विभाग के अधिकारी भी नजरअंदाज कर रहे हैं और इन लोगों के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है जिससे ग्रामीण अंचलों में फलदार वृक्षों का अस्तित्व खत्म हो रहा है जबकि सरकार वन महोत्सव का कार्यक्रम चला रहा है विशेष कार्यक्रम 1 जुलाई से 7 जुलाई तक चलेगा लेकिन वन विभाग के कर्मचारी नजर अंदाज करते हुए कार्य करते हैं

सीटी डिग्री कॉलेज में 'स्लाइस ऑफ हेवन' समर कैंप का आयोजन बड़ी सफलता के साथ संपन्न हुआ

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- सीटी डिग्री कॉलेज (कॉलेजिएट) ने %स्लाइस ऑफ हेवन% समर कैंप का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया, जिसमें 90 से अधिक उत्साही छात्रों को सीखने और मनोरंजन की एक सप्ताह की यात्रा में शामिल किया गया। शिविर में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें ओलंपियाड प्रतियोगिताएं, केंद्रीय बजट 2023-2024 पर सीटी डिग्री संसद, हार्डीज़ वर्ल्ड की एक रोमांचक यात्रा, कला और शिल्प सत्र, पेय पदार्थ बनाने की कला, बिना आग के खाना बनाना और बहुत कुछ सीखना शामिल था। इन गतिविधियों ने छात्रों को अपनी रचनात्मकता का पता लगाने और विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल को बढ़ाने के अवसर प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, एनसीसी विभाग ने नशीली दवाओं के विषय पर एक गहन विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों को मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करना और शिक्षित करना था। प्रबंधन और एनएसएस ने राउंड ग्लास फाउंडेशन के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में पौधे लगाए हैं।

समापन दिवस पर फैशन, कला और शिल्प प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक प्रदर्शनों, मनोरंजक खेलों और एक प्रमाणपत्र वितरण समारोह के स्टालों के साथ प्रतिभागियों की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। प्रिंसिपल हरदीप कौर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, 卐स्लाइस ऑफ हेवन समर कैंप ने एक परिवर्तनकारी अनुभव प्रदान किया, एक आनंदमय वातावरण में छात्रों की प्रतिभा का पोषण किया।卐 चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी ने शिविर की सराहना करते हुए कहा, 卐इसने व्यापक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए कॉलेज के समर्पण को प्रदर्शित किया। पूरे शिविर में छात्रों का विकास और उत्साह उत्साहजनक रहा है।

टी एस बाबा बने छग के प्रथम उपमुख्यमंत्री

कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़, मिठाईयां बांटकर किया खुशी का इजहार

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर के उप ब्लाक कांग्रेस कमेटी बिहारपुर में क्षेत्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा छग के प्रथम उपमुख्यमंत्री बनने पर टी एस बाबा का नारा बाजी करते हुए एक दूसरे को लड्डू खिलाया तथा मिठाइयां बांटी। विधानसभा चुनाव अब ज्यादा दिन नहीं रहा है चुनाव को देखते हुए हाइकमान ने जल्द समस्या का समाधान निकाला है जो यह सरगुजा संभाग में उपमुख्यमंत्री के रुप में सरगुजा महाराजा टी एस सिंहदेव बाबा को जो दायित्व दिया है वह सबसे बड़ी उपलब्धि है इससे पुरे क्षेत्रवासि गर्व महसूस कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि हम सब भाग्यशाली हैं जो हमें हमारे संभाग में उपमुख्यमंत्री के रूप में महाराजा मिले हैं।कार्यकर्ताओं में जो गुटबाजी सी बनी हुई थी वह अब कहीं ना कहीं दूर होगी। सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कहा कि हम सब एक हैं आगामी विधानसभा चुनाव में मेरा बूथ सबसे मजबूत होगा पुरे छग में भूपेश बघेल के नेतृत्व में छग सरकार में अच्छा काम काज हुआ है उन सभी योजनाओं को डोर टू डोर बतलाने का काम करेंगे। इन साढ़े चार में किए गए जनहित कार्यों के बदौलत पुन: छग में कांग्रेस पार्टी की सरकार अच्छी सीटों से पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनेगी ।इस मौके में बेचुराम वैस मंदेश गुर्जर जगनाथ प्रसाद सोनी भैयालाल गुप्ता जितेन्द्र साकेत कमलेश यादव रमेश गुप्ता लालू जायसवाल तुलसीराम जायसवाल शैलेश जायसवाल आनंद जायसवाल

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को लेकर बैठक आयोजित की गई

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना-अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) संदीप कुमार की अध्यक्षता में स्थानीय बचत भवन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी और मैग्नरेगा कर्मचारी शामिल हुए। बैठक के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त संदीप कुमार ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट किया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) संबंधित गांवों में चल रहे कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि लुधियाना जिले को जल्द ग्रीन जोन में लाया जा सके। उन्होंने आगे बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत एस.डब्ल्यू.एम. (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) एवं एल.डब्ल्यू.एम. (तरल अपशिष्ट प्रबंधन) परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी बताया कि इन परियोजनाओं के लिए किस फंड का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने पंचायत सचिवों से भी बातचीत की तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन करने में आने वाली कठिनाइयों के उचित समाधान के संबंध में सुझाव भी दिये गये। बैठक के दौरान जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग द्वारा पीपीटी के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन की सभी गतिविधियों की जानकारी दी गई । अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) संदीप कुमार ने बताया कि एस.डब्ल्यू.एम. (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) एवं एल.डब्ल्यू.एम. (तरल अपशिष्ट प्रबंधन), डिसिल्टिंग चैम्बर एवं स्क्रीनिंग चैम्बर स्थापित कर पानी को साफ किया जा सकता है।इस संबंध में बैठक में आये अधिकारियों की सराहना भी की गई । अंत में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, लुधियाना श्रीमती नवदीप कौर ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि यह बैठक स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों के लिए लाभदायक होगी जिससे ओडीएफ में मदद मिलेगी। मीटिंग के दौरान जल सप्लाई एवं सेनिटेशन विभाग के कार्यकारी इंजीनियर मनदीप सिंह, समूह बीडीओजे, मनरेगा की जिला नोडल अधिकारी सोनिया शर्मा, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

वन संरक्षण और वृक्षारोपण अभियान के साथ पर्यावरण को बचाने हेतु "इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता" 15 जुलाई को लुधियाना क्लब में

सत पाल सोनी-क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- वन संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने और वृक्षारोपण अभियान के साथ पर्यावरण को बचाने के लिए लुधियाना क्लब, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से हीरो साइकिल द्वारा संचालित इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इस प्रतियोगिता का विषय ग्रीन लुधियाना - पर्यावरण क्रांति की शुरुआत मातृभूमि की हरियाली है। हम अपने समाज में पेड़ और जंगल के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लुधियाना के स्कूली छात्रों को इस ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 3 अलग-अलग श्रेणियों यानी सब- कक्षा 4 और 5वीं, जूनियर कक्षा 6वीं से 8वीं और सीनियर कक्षा 9वीं से 12वीं में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं है और प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को किटी ब्रेड और अमूल की ओर से साइकिल और गिफ्ट हैम्पर दिए जाएंगे। टीम सॉल्यूशंस और द राइजिंग एंटरटेनर्स इस कार्यक्रम का प्रबंधन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 15 जुलाई, 2023 को लुधियाना क्लब में सुबह 9.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है। भागीदारी पंजीकरण के लिए जल्द से जल्द teameventregister@gmail.com. ईमेल करें।

रज्जू भैया राज्य विवि : पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित, 24 विषयों में 535 सीट पर पहली बार होगा दाखिला

विवि और कॉलेजों में आगामी सत्र से पीएचडी कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। मेरिट का निर्धारण लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर किया गया है। लिखित परीक्षा के आधार पर कुल 828 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे। प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम बृहस्पतिवार को घोषित कर दिया गया। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में 24 विषयों की 535 सीट पर दाखिले होंगे। विवि और कॉलेजों में आगामी सत्र से पीएचडी कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। मेरिट का निर्धारण लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर किया गया है। लिखित परीक्षा के आधार पर कुल 828 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे।इनके अलावा 368 जेआरएफ अभ्यर्थियों ने भी आवेदन किया था, जिन्हें लिखित परीक्षा से छूट दी गई थी। इस तरह से कुल 1196 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। साक्षात्कार आठ जून तक चला था। कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। सफल अभ्यर्थी दो जुलाई तक फीस जमा कर सकते हैं। दो साल पूर्व जेआरएफ अभ्यर्थी हुए बाहर दो वर्ष पूर्व जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए क्वालीफाई करने वाले अभ्यर्थियों को प्रोफेसर रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश से बाहर कर दिया गया है। इनकी फेलोशिप की अवधि समाप्त हो गई है। इसके बावजूद वे प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए। इसकी वजह से इनके आवेदन पर विचार नहीं किया गया। जेआरएफ अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इन्हें लिखित परीक्षा से छूट दी गई थी। इस प्रावधान के तहत दो वर्ष पूर्व जेआरएफ के लिए क्वालीफाई करने वाले अभ्यर्थियों ने भी लिखित परीक्षा नहीं दी। जबकि, नेट का रिजल्ट निकलने के बाद दो साल तक वे कहीं पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लेते हैं तो फेलोशिप के हकदार नहीं होंगे। हालांकि, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के लिए क्वालीफाई माने जाएंगे। इस आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले दो साल पहले जेआरएफ अभ्यर्थियों को परिणाम में शामिल नहीं किया। इस पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि आवेदन के समय इस तरह की कोई शर्त नहीं रखी गई थी। इसलिए उन्होंने परीक्षा नहीं दी। बाद में यह प्रावधान लागू किया गया है। ऐसे में उन्हें परीक्षा में शामिल करना चाहिए था। उन्होंने दोबारा परीक्षा कराने की मांग की है। वहीं, कुलपति प्रो. अखिलेश सिंह का कहना है कि दो साल पहले जेआरएफ क्वालीफाई करने वाले फेलोशिप के हकदार नहीं रह गए हैं। इसलिए इनके प्रवेश पर विचार नहीं किया गया। उन्होंने फार्म में भी इसका जिक्र नहीं किया था कि वे किस सत्र में जेआरएफ हैं। इन अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा देनी चाहिए थी। विषय सीटों की संख्या हिंदी 78 प्राचीन इतिहास 44 संस्कृत 27 अर्थशास्त्र 28 भूगोल 22 समाजशास्त्र 18 दर्शनशास्त्र 14 राजनीति विज्ञान 47 रक्षा अध्ययन 13 समाज कार्य 08 वाणिज्य 22 मध्यकालीन इतिहास 23 अंग्रेजी 31 गणित 11 बॉटनी 29 भौतिकी 20 रसायन विज्ञान 21 जंतु विज्ञान 28 कृषि 07 कृषि मृदा विज्ञान 09 एग्रीकल्चर प्लांट 06 कृषि उद्यान 10 कृषि अर्थशास्त्र 13 गृह विज्ञान 06

पीटीआई के पद पर कार्यरत बलजीत सिंह सेवा से सेवानिवृत्त हो गए

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना-बलजीत सिंह सरकारी मिडिल स्कूल गुरुसर काउंके (लुधियाना) में पीटीआई के पद पर कार्यरत थे. उन्होंने लगभग 29 वर्षों तक सेवा की। बलजीत सिंह ने खेल के क्षेत्र में बहुत योगदान दिया। बेदाग सेवा करने के बाद दिनांक 30.06.2023 को वे सेवानिवृत्त हुए ।

इस अवसर पर मुख्य अध्यापिका श्रीमती पूजा वर्मा, जरनैल सिंह, हरसिमरत सिंह, मैडम रजनी बाला आदि उपस्थित थे।

76 आवासों की चाबी गरीब परिवारों को वितरण किया

सत्यम शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद प्रयागराज में भू-माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना के निर्मित ई0डब्ल्यू0एस0 श्रेणी के 76 आवासों की चाबी गरीब परिवारों को वितरण किया, जिसका सीधा सजीव प्रसारण आयुक्त सभागार में किया गया। इस अवसर पर आयुक्त सभागार में माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ0 अरुण कुमार, माननीय अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती रश्मि पटेल, माननीय विधायक कैंट श्री संजीव अग्रवाल, माननीय विधायक बिथरी चैनपुर डॉ0 राघवेंद्र शर्मा, मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल, जिलाधिकारी श्री शिवाकान्त द्विवेदी, आईजी डॉ0 राकेश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रभाकर चौधरी, वी0डी0ए0 बी0सी0 जोगिंदर सिंह, वी0डी0ए0 सचिव श्री योगेंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी श्री जग प्रवेश सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सजीव प्रसारण को भी देखा ।।

नगर पंचायत रिठौरा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, रविवार को

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर पंचायत रिठौरा एवं वेदांता हॉस्पिटल संयुक्त रूप से नगर की जनता के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार को कार्यालय सभागार में सुबह दस बजे से तीन बजे तक लगेगा। जिसमें विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम रोगियों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित करेंगे। चेयरमैन शकुन्तला देवी, अमित गुप्ता ने जनता से ज्यादा से ज्यादा शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की है।

प्रयागराज : सीएम योगी के हाथों आवास की चाबी मिलने पर रो पड़ीं जाहिदा, बोलीं- सीएम ने साकार किया सपना

सीएम योगी के हाथ आवास की चाबी मिलने के बाद दरियाबाद की रहने वाली जाहिदा फातिमा अपने आंसू नहीं रोक सकीं। उनका कहना है कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि उन्हें अपना घर मिल गया है। सीएम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। लूकरगंज में माफिया अतीक अहमद के कब्जे से खाली कराई गई भूमि पर बनाए गए 76 आवासों का आवंटन शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लीडर रोड प्रेस मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में किया। सीएम के हाथ से आवास की चाबी मिलने पर कई गरीबों के मानों सपने सच होते दिखे। आवास की चाबी मिलने पर कई लाभार्थियों के आंखों से आंसू छलक आए। लाभार्थियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया। कहा कि जितनी भी शुक्रिया अदा की जाए वह कम है। सीएम योगी के हाथ से आवास की चाबी मिलने के बाद दरियाबाद की रहने वाली जाहिदा फातिमा अपने आंसू नहीं रोक सकीं। उनका कहना था कि उनका परिवार काफी गरीब और पिता अब्बास ई रिक्शा चलाकर परिवार का पेट पालते हैं। कहा कि हम लोग गरीबी से जूझते हुए आए हैं। उन्हें उनका घर मिल गया है यह उन्हें विश्वास नहीं हो रहा है। इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रति जितना आभार जताया जाए कम है। सीएम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। गरीबों को मिला आशियाना - कोई कथा सुनकर करेगा गृहप्रवेश, तो किसी के जीवन का पूरा हुआ सपना माफिया अतीक अहमद से लूकरगंज में खाली कराई जमीन पर तैयार हुए 76 फ्लैट पाने वालों की खुशी देखते ही बन रही है।

क्योंकि इनका बरसों पुराना सपना सच हो गया है। शुक्रवार को सीएम ने लाभार्थियों को आवास की चाबी सौंपी। रामबाग में मलाकराज इलाके में सालों से किराये पर रहने वाली मधु देवी को भी पहली बार अपने घर में रहने का सुख मिला। उनकी बेटी तनु बताती हैं कि उनके ननिहाल और ददिहाल में किसी के पास अपना अपना मकान या जमीन नहीं है। यह पहली बार है कि उनके सिर पर अपने घर की छत होगी। इस खुशी को शब्दों में बयान करना मुश्किल है। मधुदेवी ने बताया कि चाबी मिलने के सत्यनारायण भगवान की कथा सुनेंगे और गृहप्रवेश करेंगे। 60 वर्षीय संगीता श्रीवास्तव बताती है कि कभी सोचा नहीं था कि उम्र के इस पड़ाव में खुद के घर का सपना पूरा हो पाएगा। छोटा-मोटा काम करने पति-पत्नी अपना घर चलाते हैं, ऐसे में अपना मकान हो जाने से बड़ा सहारा मिल गया है। कैंट इलाके में किराये पर रहने वाली नीरजा देवी के पति हरीश चंद्रा बताते है कि उनको तो भरोसा ही नहीं था कि किस्मत इतना साथ देगी। एक दुकान में काम करने वाले हरीश के परिवार में चार लोग हैं। इस कमाई में खुद का घर बनाने की सोच भी नहीं सकते थे। जब तक जीवन रहेगा, योगी सरकार को हमेशा याद रखेंगे। जो हम जैसे लोगों को भी घर का मालिक बना दिया।

चंद्रशेखर बोले- सीएम योगी कर रहे थे मेरे मरने का इंतजार, पर मैं मरने वाला नहीं, अब बताया- कैसे बची थी जान

हमले के बाद चंद्रशेखर आजाद ने सीएम योगी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी मेरे मरने का इंतजार कर रहे थे, पर मैं आसानी से मरने वाला नहीं हूं। बताया हमले के वक्त कैसे जान बची थी।भीम आर्मी चीफ हुए हमले बाद चंद्रशेखर आजाद ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को सत्ता का संरक्षण मिला है, इसलिए अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इतना ही नहीं चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि सीएम योगी मेरे मरने का इंतजार कर रहे थे लेकिन, मैं इतनी आसानी से मरने वाला नहीं हूं। क्योंकि मुझे दलितों, वंचितों और शोषितों की लड़ाई लड़नी है। चंद्रशेखर ने बताया कि आरोपियों ने पहली गोली चलाई, जो उनकी कनपटी के पास से होकर निकली। दूसरी गोली उनको लगी। तीसरी गोली से कार का अगला शीश टूट गया। जब आरोपियों ने चौथी गोली चलाई तो वह कार में नीचे की तरफ बैठ गए। हमलावरों ने कुछ दूर जाकर कार रोक ली। उन्हें लगा कि मैं मर चुका हूं और उनका काम पूरा हो गया। उन्हें उम्मीद है कि इसके बाद आरोपी सरेंडर करना चाहते थे, लेकिन मेरे भाई मनीष ने जैसे ही कार को यू-टर्न लिया तो आरोपियों ने फिर फायरिंग की और फरार हो गए। सीसीटीवी कैमरे में दिखी कार, गोलियां चलने की आवाज भी दी सुनाई- चंद्रशेखर की गाड़ी के बराबर में आरोपियों ने अपनी कार सटाकर गोलियां चलाईं। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें आरोपी गोली चलाते हुए दिख रहे हैं और गोलियों की आवाज भी सुनाई दे रही है।

चंद्रशेखर बोले- एक चंद्रशेखर मरेगा तो हजार चंद्रशेखर खड़े होंगे

भीम आर्मी चीफ ने कहा कि अगर एक चंद्रशेखर मरेगा तो हजार चंद्रशेखर खड़े नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस भुलावे में न रहे कि चंद्रशेखर मर जाएगा तो दलितों, वंचितों और शोषितों की आवाज दब जाएगी। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर ने जिला अस्पताल से छुट्टी होने के बाद प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने कहा कि सत्ता संरक्षण में मुझ पर हमला किया गया। बड़े-बड़े दावे करने वाले मुख्यमंत्री इस घटना पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि यह कोई पहला हमला नहीं है। वंचितों पर सदियों से हमला होता आया है।

यह घटना बिना सत्ता संरक्षण के नहीं हुई है। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। कार भी इसलिए बरामद हुई है कि मिरगपुर के ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी। इस घटना पर मुख्यमंत्री का कुछ भी न बोलने से पता चलता है कि वह अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं वंचितों का बेटा हूं, मर भी जाऊंगा तो क्या फर्क पड़ेगा। यह मामला किसी कमिश्नर से जुड़ा नहीं है कि उनका कुत्ता भी चार घंटे में बरामद कर लिया जाएगा। मुझ पर हमला हुए 24 घंटे बीत गए और आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। इससे साफ है कि उन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने बताया कि मुझे पहले से धमकियां मिल चुकी हैं। इस संबंध में मैंने गृहमंत्री, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और एसएसपी को पत्र लिखा, लेकिन मुझे सुरक्षा नहीं दी गई। पूर्व जिलाधिकारी ने तो साफ कह दिया था कि मुख्यमंत्री नहीं चाहते कि चंद्रशेखर को सुरक्षा दी जाए। आसपा प्रमुख चंद्रशेखर आजाद पर हुए जानलेवा हमले की गूंज पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है। विपक्षी दलों के नेता हमले की कड़े शब्दों में निंदा कर कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेर रहे हैं। जिसके चलते पुलिस पर जल्द खुलासे का दबाव है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र और एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने भी बुधवार देर रात घटनास्थल का मौका-मुआयना किया है।

अपहरण कर किशोरी से 24 घंटे में तीन बार गैंगरेप, पड़ोस में रहते है गिरफ्तार तीनों आरोपी

किशोरी किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर मां के पास पहुंची और आपबीती बताई। इसके बाद किशोरी की मां ने स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।कैंट इलाके में 27 जून को किशोरी का अपहरण कर 24 घंटे तक शहर में घुमाया। इस दौरान तीन बार गैंगरेप किया। किशोरी किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर मां के पास पहुंची और आपबीती बताई। इसके बाद किशोरी की मां ने स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। किशोरी की मां ने बताया कि वह मूल रूप से बाराबंकी की रहने वाली है। मां की तबियत खराब होने के कारण देखरेख के लिए बेटी के साथ कैंट स्थित घर आई थी। 27 जून को घर के पास से बेटी थी।

तभी स्कूटी से लखनऊ में कैंट इलाके में 27 जून को घर से निकली किशोरी का तीन आरोपियों ने अपहरण कर 24 घंटे तक शहर में घुमाया। तीन बार गैंगरेप किया। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर किशोरी मां के पास पहुंची तो आपबीती सुनाई। इसके बाद किशोरी की मां स्थानीय थाने पहुंची और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

कैंट इंस्पेक्टर राजकुमार के मुताबिक पकड़े गए आरोपी कैंट के कसाईबाड़ा निवासी हलीम, आसिफ और इरफान हैं। इंस्पेक्टर के मुताबिक 27 जून को घर के पास किशोरी थी। तभी स्कूटी सवार तीनों आरोपियों ने जबरन उसका अपहरण कर लिया। घर न पहुंचने पर किशोरी की मां ने अपहरण की तहरीर दी। इसपर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की धर-पकड़ के लिए टीम को लगाया गया।

उधर, आरोपी किशोरी को लेकर लालबत्ती चौराहा पुल के पास बने गैशाला पहुंचे और तीनों ने नशे की हालत में गैंगरेप किया। इसके बाद पकड़े जाने के डर से उसको जनेश्वर मिश्र पार्क ले गए।

वहां फिर से गैंगरेप करने के बाद पूरा दिन शहर में घुमाया। इस दौरान सन्नाटे के अलावा कहीं भी स्कूटी को रोका नहीं। ताकि किशोरी भाग न सके। हालांकि 24 घंटे बाद किशोरी को लेकर कैंट के जंगल में पहुंचे जहां फिर गैंगरेप किया, लेकिन किशोरी उनके चंगुल से बचकर भाग निकली। किसी तरह मां के पास पहुंची तो आपबीती सुनाई। इंस्पेक्टर के मुताबिक तीनों आरोपियों को इलाके से 24 घंटे में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

तीन स्थानों पर गैंगरेप, स्कूटी पर बैठाकर शहर में घुमाया

आरोपियों ने किशोरी के साथ तीन स्थानों (जनेश्वर मिश्रा पार्क, कैंट जंगल और लालबत्ती पुल) पर गैंगरेप किया। साथ ही किशोरी को बैठा कर पूरे शहर में घुमाया। इस दौरान किसी की नजर किशोरी पर नहीं पड़ी। जबकि कमिश्नरेट पुलिस जगह-जगह पर पेट्रोलिंग और गश्त का दावा कर रही है। बावजूद इसके किशोरी के साथ इतनी बड़ी वारदात हो गई।

नानी के देखरेख के लिए आई थी लखनऊ

किशोरी की मां ने बताया कि बाराबंकी में परिवार के साथ रहती है। मां कैंट इलाके में रहती है। इधर मां की तबियत खराब हो गई। कोई और सहारा न होने के कारण 15 वर्षीय किशोरी के साथ मां की देखरेख के लिए लखनऊ आई थी। यही नहीं इतनी बड़ी वारदात के बाद से किशोरी बोल तक नहीं रही है।

राजमिस्त्री की बेटी बनी बीएड प्रवेश परीक्षा की टॉपर, बनारस की शालिनी ने बताया सफलता का मंत्र

यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित हो गया। इसमें वाराणसी की शालिनी पटेल ने 92.50 प्रतिशत अंक पाकर पूरे प्रदेश में टॉप किया है। इस सूचना के बाद शालिनी के घर में खुशी का माहौल है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। वाराणसी की शालिनी पटेल ने टॉप किया है। उन्हें 400 में 370 अंक मिले हैं। शालिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार और गुरुजनों को दिया है। बेटी का रिजल्ट देखकर पिता का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। रिश्तेदारों के साथ-साथ आस-पड़ोस के लोगों ने बेटी की कामयाबी पर बधाई दी। वाराणसी के सुसवाही निवासी शालिनी पटेल ने कठिन परिश्रम की मिसाल पेश की है। उनके पिता कल्लू राम पटेल राजगीर (मिस्त्री) हैं। बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा में टॉपर होने से शालिनी बेहद खुश हैं। अमर उजाला से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वो बपचन से ही उनका सपना आईएएस अधिकारी बनने का है। इसी को ध्यान में रखकर वो शुरू से ही मन लगाकर पढ़ाई कर रही हैं।

बीएचयू से पूरी की बीए और एमए की पढ़ाई

गांव स्थित जवाहर आदर्श इंटर कॉलेज से उन्होंने 12वीं तक की पढ़ाई की। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से उन्होंने बीए व एमए प्रथम स्थान से पास किया। बचपन से ही बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के मुहिम से जुड़ी रहीं।सफलता के बारे में उन्होंने कही कि मेहनत बहुत जरूरी है। शुरुआती असफलताओं से घबराना नहीं हैं। शालिनी ने कहा कि अनिता देवी और पिता कल्लू राम पटेल ने लगातार उत्साहवर्धन किया। माता-पिता उनको आईएएस अधिकारी बनते देखना चाहते हैं और यह सपना पूरा करना ही उनका लक्ष्य है।निशुल्क ट्यूशन पढ़ाती हैं शालिनीशालिनी पटेल पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं में भी अग्रणी रही हैं। उन्होंने महामना मालवीय गंगा शोध केंद्र बीएचयू से ईको-स्किल्ड गंगामित्र का भी प्रशिक्षण लिया है। संस्था के चेयरमैन प्रख्यात पर्यावरण वैज्ञानिक प्रोफेसर बीडी त्रिपाठी का आशीर्वाद मिलता रहा। शालिनी कक्षा छह में पढ़ते हुए घर पर ही स्थानीय बच्चों को निशुल्क ट्यूशन पढ़ाती आ रही हैं। जो आज भी जारी है। मध्यम वर्ग परिवार से आने वाली शालिनी की पढ़ाई में पैसे का संकट कभी नहीं हुआ। माता-पिता का आशीर्वाद बच्चों पर सदैव बना रहा। शालिनी तीन बहन और एक भाई है। भाई सबसे बड़ा है। वो भी घर की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाता है। शालिनी ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, भाई-बहन और अध्यापकों को दिया।

CCTV की मदद से मिली सफलता: बेटे की चाहत में बच्चे का महिला ने कराया था अपहरण, पुलिस ने किया खुलासा

गोरखपुर जिले में शाहपुर के नंदानगर से तीन साल के बच्चे अरबाज के अपहरण की साजिश सिलाई सेंटर चलाने वाली एक महिला ने रची थी। बच्चे को बरामद करने के साथ ही अपहरण और साजिश रचने के आरोप में पुलिस ने महिला रविता वर्मा, उसके कर्मचारी बैतुल्लाह अंसारी और रविता के पिता नरेंद्र प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने बताया कि नंदानगर में रहने वाली रविता वर्मा सिलाई की दुकान चलाती है। वहीं पर पिछले चार महीने से बैतुल्लाह अंसारी दर्जी का काम करता था। रविता वर्मा की तीन बेटियां हुई थी, जिसमें से एक की मौत हो चुकी है। अब उसे बच्चे नहीं हो सकते थे और उसे बेटे की चाहत थी। बैतुल्लाह अंसारी ने ही बच्चे को चुराया था और नरेंद्र प्रसाद बच्चे के अपहरण की बात जानने के बाद ही गोपालगंज स्थित अपने घर पर छिपाए थे। पुलिस ने शुक्रवार को तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। पकड़ा गया बैतुल्लाह अंसारी नवलपुर, पश्चिमी चंपारण, रविता वर्मा पत्नी रमेश वर्मा नंदानगर और नरेंद्र प्रसाद गोपालगंज के निवासी हैं। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर व एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर पकड़े गए बदमाशों के बारे में जानकारी दी।एसएसपी ने बताया कि नंदानगर में रहने वाली रविता वर्मा सिलाई की दुकान चलाती है।

वहीं पर पिछले चार महीने से बैतुल्लाह अंसारी दर्जी का काम करता था। रविता वर्मा की तीन बेटियां हुई थी, जिसमें से एक की मौत हो चुकी है। अब उसे बच्चे नहीं हो सकते थे और उसे बेटे की चाहत थी।इसके लिए उसने बैतुल्लाह अंसारी को लालच दिया कि अगर वह उसके लिए बेटे की व्यवस्था कर देगा तो उचित इनाम भी मिलेगा और जब तक चाहेगा, काम कर सकता है। इसी लालच में बैतुल्लाह ने पहले रुकसान के बच्चे अरबाज के अपहरण के लिए रेकी की। क्योंकि, कुशीनगर की मूल निवासी रुकसाना एक टीनशेड में रहकर मजदूरी करती है, इस वजह से वह जान चुका था कि उसके बच्चे को आसानी से उठाया जा सकता है। 23 जून की रात गर्मी ज्यादा होने की वजह से रुकसाना अपने बेटे के साथ कमरे के बाहर ही सोई थी। रात में 1.36 बजे के करीब बैतुल्लाह अंसारी ने बच्चे को चुरा लिया।

साढ़े चार बजे के करीब जब रुकसाना की आंख खुली तो बेटे को खोजने लगी। काफी तलाश के बाद भी बच्चा नहीं मिला। रुकसाना काफी तलाश के बाद 27 जून की शाम में थाने पहुंच गई। पुलिस ने केस दर्ज कर सीसी टीवी कैमरों को खंगाला तो उसमें बैतुल्लाह बच्चा लेकर जाते नजर आ गया। तलाश के दौरान लोकेशन मिलने पर पुलिस गोपालगंज पहुंच गई और बच्चे को बरामद कर लिया। एसएसपी ने बताया कि बच्चे को चोरी करने के बाद बैतुल्लाह ने रविता को बच्चा दिया था और उसने अपने पिता के घर गोपालगंज पहुंचा दिया था। सभी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया।

Steve Smith's 12th century in Ashes, now only behind Bradman; In this case ahead of Ponting and Sachin

Smith equaled compatriot Steve Waugh with his 32nd Test century. He scored his eighth on English soil and his second at the historic ground of Lord's. Australia's Steve Smith has once again shown why he is counted among the best batsmen of the current generation. On the second day of the second Test of the Ashes series, he scored an inning of 110 runs which helped Australia to score 416 runs in the first innings against England. This was Smith's overall 32nd Test century innings. Smith has scored the fastest 32 Test hundreds in 174 innings. Ricky Ponting of Australia did this in 176 innings and Sachin Tendulkar in 179 innings. This is Smith's 12th century in the Ashes series and only veteran Don Bradman (19) is ahead of him. England's Jack Hobbs also has 12 centuries in the Ashes, which he equaled on Thursday. England fans also applauded Smith - Australia had started the game at 339 for five on Thursday and lost their last five wickets for 77 runs. Smith began the second day ahead of a personal score of 85. Alex Carey (22) and Mitchell Starc (06) returned to the pavilion in the first twenty minutes. At that time Smith was playing after scoring 87 runs. After the dismissals of Carey and Stark, Smith started scoring runs fast in view of the time requirement. He hit boundaries on his next four shots. In this, he completed his century with the 14th four of the innings on Anderson. He kissed his helmet and looked at his teammates with a big smile to celebrate his century. Apart from Australian supporters, England fans were also applauding his century. Smith equals compatriot Steve Waugh - Smith equals compatriot Steve Waugh with his 32nd Test century. He scored his eighth on English soil and his second hundred at the historic ground of Lord's. Earlier in 2015, Smith played a match-winning inning of 215 runs here. With 3176 runs, he has reached number four in the list of most runs scored in the Ashes. He left behind Steve Waugh (3173). He is behind only Don Bradman (5028 runs), Jack Hobbs (3636 runs) and Allan Border (3222 runs). This was his second century this month, the previous one coming against India in the final of the Test Championship at The Oval.Oli and Tong took three wickets each - the floodlights at Lord's were turned on for the first time in the afternoon match. Smith tried to drive Josh Tongue and was caught by Duckett at gully. He spent more than five hours in the field. During this, facing 184 balls, he hit 15 fours. After that Australia's innings could not last more than 25 minutes. Pat Cummins remained unbeaten on 22 runs. Ollie Robinson took the last two wickets. Oli also took three wickets like Tongue. Talking about England's Ben Duckett, who missed a century, he has scored 274 runs for four wickets in the first innings till the end of the second day's play. He is 138 runs behind Australia in the first innings. Harry Brook is unbeaten on 45 and captain Ben Stokes on 17 runs. Earlier, Ben Duckett scored the highest 98 runs for England. He missed out on scoring a century at Lord's. Jack Crawley scored 48 and Oli Pope scored 42 runs. Experienced batsman who could score only 10 runs. Mitchell Starc, Josh Hazlewood, Nathan Lyon and Cameron Green took one wicket each for Australia.

India's 'B' cricket team will participate in Asiad, Shikhar Dhawan may get captaincy

The main women's team will participate in the Asiad and will be strong contenders to win the gold medal. Cricket was last played at the Asian Games in the 2014 Incheon phase. The Board of Cricket in India (BCCI) has decided to send its team (men and women) for the Asian Games to be held in Hangzhou in September-October. With the men's event coinciding with India's World Cup preparations, the continental tournament is expected to feature a second-string team. Shikhar Dhawan's name is being discussed for the captaincy of the Indian B team. This decision can be sealed in its Apex Council meeting to be held on July 7. The main women's team will participate in the Asiad and will be strong contenders to win the gold medal. Cricket was last played at the Asian Games in the 2014 Incheon phase. The Indian team had not participated in that tournament nine years back. In the meeting, the current policy of participation of retired players in foreign T20 leagues will be reviewed. Upgrading the stadium will be discussed - The BCCI, as per its long-standing policy, allows self-registered players to participate in overseas T20 leagues only after they have retired from international cricket and domestic cricket, in which IPL is also included. Apart from this, the top BCCI officials will also decide on the 'roadmap' to 'upgrade' the stadiums for the ODI World Cup to be held on home soil. These issues will be raised in the meeting - This ICC tournament will be held in 10 venues, most of which are in need of repair. The board is without a broadcaster and jersey sponsor for the domestic season. Both these issues will also be discussed in the meeting. There was no sponsor logo on the shirts of the men's team during the World Test Championship final. The playing conditions for the Syed Mushtaq Ali T20 Trophy will also be decided, including the 'impact player' rule.

Ajit Agarkar can become the chief selector of the Indian cricket team, separated from the Delhi Capitals team

Agarkar has played 191 ODIs, 26 Tests and four T20 matches. The Mumbai Cricket Association is believed to have a problem with Agarkar's claim in 2021 and that is the reason why he was not picked as the chief selector. Former India fast bowler Ajit Agarkar is once again in the race to become the chief selector of the Indian cricket team. Agarkar parted ways with IPL team Delhi Capitals on Thursday. He was associated with the team as an assistant coach. The news of stepping down made it clear that he could be the chief selector while picking the T20 squad for the upcoming tour of the West Indies. Delhi Capitals confirmed that Agarkar and Shane Watson are no longer part of the support staff. The team tweeted, “This will always be home to you. Thanks Ajith and Watto (Watson). Best wishes for the future. ”Agarkar has also given interview for the post of selector in 2021, when Chetan Sharma from North Zone became the chairman of the committee. BCCI will have to increase the annual salary - With Agarkar's name in the running, the BCCI will have to increase the annual salary of the head of the selection committee by one crore, while the salary of the rest of the members will also have to be increased by more than 90 lakhs. Delhi Capitals assistant coach and commentator Agarkar earns more than the annual package of the chief selector and this is the reason why the BCCI will have to review the current pay scale. Why didn't Agarkar become the chief selector in 2021? - 45-year-old Agarkar, a disciple of late Ramakant Achrekar, has played 191 ODIs, 26 Tests and four T20 matches. The Mumbai Cricket Association is believed to have a problem with Agarkar's claim in 2021 and that is the reason why he was not picked as the chief selector. Apart from this, Chetan Sharma, who had the support of a section of the board, would not have become the president if he was elected. Vengsarkar and Shastri's names also speculated - the current office bearers of MCA are no longer in trouble as they have Salil Ankola. The names of Dilip Vengsarkar and Ravi Shastri are also being speculated but it is not confirmed whether they have applied or not. Vengsarkar has been the Speaker from 2005 to 2008 and has a maximum term of four years, which means he has only one year left.

Ganguly raised questions on making Rahane the vice-captain, asked- isn't it the right time to give Jadeja a chance?

Former India captain Sourav Ganguly is surprised by the decision to make Rahane the vice-captain. He questioned the decision of the selectors and also called for "consistency and consistency" in the selection process. India are scheduled to play a two-Test series against the West Indies from July 12. The team has been announced for this. Under the captaincy of Rohit Sharma, the team will play in the new cycle of the World Test Championship. At the same time, Ajinkya Rahane, who returned to the team after 18 months, has been made the vice-captain. Rahane was rewarded for his brilliant performance against Australia in the World Test Championship final. However, former India captain Sourav Ganguly is surprised by the decision. He has questioned the decision of the selectors and also demanded "stability and consistency" in the selection process. Rahane was stripped of the vice-captaincy a year and a half ago. Rahane, 35, was out of the team for the last one-and-a-half years but was India's best batsman in the World Test Championship final against Australia earlier this month with scores of 89 and 46 at The Oval. Just one Test after making a comeback, the national selection committee headed by interim chief selector Shiv Sunder Das appointed Rahane as Rohit Sharma's deputy for the Test series against the West Indies. Rahane was the vice-captain on the England tour in 2021. Rahane was then stripped of the vice-captaincy ahead of the Test series against South Africa later that year after failing in the Test series. Rahane was also dropped from the team after the Test series against South Africa. Ganguly considers Jadeja as a contender for the vice-captaincy, when asked whether it was not the right time to prepare a player like Shubman Gill for this role? In response to this, Ganguly said- Yes, I think so. However, Ganguly neither described Rahane's decision as bad, nor did he describe it as good. He said- I would not say that BCCI has taken a step back. You are out of the team for 18 months, then you play one Test and you become the vice-captain. I don't understand the thought process behind this. There is Ravindra Jadeja, he has been with the team for a long time and he is sure to play in the Test matches. He is a strong contender. Ganguly said this about Pujara - Ganguly, who was one of India's best Test captains, said - I do not understand coming back to the team and becoming the vice-captain directly after 18 months. My only point is that there should be consistency in selection. The Indian selectors have made changes by dropping veteran batsman Cheteshwar Pujara and Ganguly wants there to be clear communication with the player who has played more than 100 Tests for India. Ganguly said, "The selectors should have a clear idea about Pujara. Do the selectors want Pujara to play Tests again or do they want to go ahead with the youngsters. There should be a clear conversation with Pujara about this. Players like Pujara Can't play the game that he is picked, then dropped, then picked, then dropped.

Such was daughter Shora's reaction on Aaliya's mystery man, Nawaz's wife's shocking revelation

Bollywood actor Nawazuddin Siddiqui's wife Alia is currently evicted from Bigg Boss OTT 2 house. While Alia went on to get limelight and public sympathy in this show, her journey has been very short. After coming out of 'Bigg Boss OTT' house, once again Aaliya has talked about her personal life in an interview. Nawazuddin Siddiqui's wife recently told whether she has sought alimony from the actor or not? Not only this, in this special conversation, Alia also revealed how her daughter Shora's reaction was on the entry of a new person. After that whether she had taken alimony from her husband or not. Tlig to a media organization, Aaliya made it clear that she has not taken a single rupee from Nawaz. Rather they have given them in writing that they can take whatever they want from them except the house. Aaliya further told that she needed that house to live her life and claimed that she also has an equal share in that house. She wants her half from Nawaz so that she can clear her dues and take care of herself. Aaliya Siddiqui says that money has also transacted between her and Nawaz, that is ordered by the court. He said that whatever money Nawaz is paying him every month is because the court has ordered him to do so. Aaliya also emphasized in this interview that she has left Nawaz. After this, Alia talked about the new person in her life. Talking about her new relationship, she revealed that she met the Italian man at a party. According to Alia, the man liked her eyes and her face and then they started talking. He also said that the person supported him mentally in difficult times. They described him as a wise and gentle man. After showering praises on the Italian man, Alia also revealed that her daughter Shora asked about this new man in her life. When Shora asks, Aaliya tells him that she is their friend and nothing more. Shora then tells Aaliya that she will respect him if she tells him the truth. Aaliya says that she will definitely tell Shora about this new relationship when the right time comes. Aaliya wants Shora to become a bit more mature. She can tell him in a year or two. However, Aaliya said that she has no plans to marry or be in a live-in relationship with the man. She just wants someone in her life who is a true friend with whom she can spend time. Aaliya also clarified that she is not officially divorced from Nawaz yet.

Trailer of horror web series released, will be haunted by ghosts, strong performance of Rasika Dugal

Adhura Trailer The trailer of the incomplete web series has been released. Rasika Duggal has an important role in it. Whereas its content is horror. There is a lot of curiosity among the fans about this web series. Fans are loving the trailer of Adhoora. Looking at it, it seems that horror has been explored very well in it. The trailer of the incomplete web series has been released. It is produced by Nikhil-Davani's production company. At the same time, it is directed by Ananya Banerjee and Gaurav Chawla. Ishwak Singh, Poojan Chhabra, Rijul Ray, Zoya Morani and Sahil Salathia have important roles in this web series. All are high school friends. At the same time, Rasika Duggal, Shernik Arora and Rahul Dev also have important roles in the show. What is the story of the incomplete web series? The trailer begins at a popular boarding school in Ooty. This story is divided into two parts. The first story is from 2022. The second story is from 2007. It has secrets, anonymity and horror. The batch of 2007 has to be nurtured by the devil within. Due to this, everyone's lives start changing. Talking about this web series, Ishwak Singh said, "It was a lot of fun working in the role of Adiraj. This series is very well made. It has a lot of emotion and supernatural in it. Due to this, this story is very good. It's done." Talking about the horror story of the film, he said that the story of the film has turned out to be very good. People will get to see such a haunting story for the first time. What has Rasika Duggal said about Adhoora? At the same time, Rasika Duggal has also spoken on this occasion. He said, "As an actor, I enjoy living life a lot. I get to do many stories. No one is free from their inner demons. This story is based on that. It is a pleasure to do this role. I really enjoyed it. I think the audience will really like this show." Where and from when can the incomplete web series be watched? - Adhura will start streaming on Amazon Prime Video from July 7. There is a lot of curiosity among the fans about this. At the same time, many people have also made interesting comments on this. Significantly, the horror genre has been used very little in India. Rasika Duggal is quite famous on social media. She has become very famous from the web series Mirzapur.

New phase of 'college romance' will start again, trailer of Ashutosh Pankaj's series released

The sizzling trailer of the popular web series College Romance Season 4 is out. The show stars Gagan Arora, Apoorva Arora, Keshav Sadhna, Shreya Mehta, Nupur Nagpal, Jhanvi Rawat and Ekalave Kashyap in pivotal roles.Sony LIV's most loved college romance gang is back for the last time. Between movie nights, adventures, travel, job interviews and heartfelt

farewells, they face their anxieties and insecurities and make their way into the real world in the finale. Will they falter or stand as they step into the real world? Join them on Vijay's journey of friendship, self-discovery and embracing his craziness.Phir Shuru Hoga College Romance Ka Daur - The Viral Fever and Arunabh Kumar's college romance season 4 is directed by Ashutosh Pankaj. The show stars Gagan Arora, Apoorva Arora, Keshav Sadhna, Shreya Mehta, Nupur Nagpal, Jhanvi Rawat and Ekalave Kashyap in lead roles. Commenting on the show, Gagan Arora said, "College Romance has received immense love from the audience since its inception. They have seen the characters mature over the years and are completely invested in their journey as a gang, like We have been. So it is an emotional moment for all of us, as we bring the final season. will be reminiscing about their senior year as everyone makes important decisions and prepares to step into the real world. Our hearts are full and we can't wait to go on this journey with the audience one last time! Cheers to the gang! Watch it for the last time on Sony LIV from 14th July." Let us tell you that 'College Romance 4' will stream from July 14 only on Sony LIV.

Doubts about Alia Bhatt for the role of Mother Sita, good Ram will be made

Ramayan Sunil Lahri Ranbir Kapoor Alia Bhatt Ramanand Sagar's Ramayan is being shown again on Shemaroo TV from 3rd July. In this, Arun Govil played the role of Prabhu Shri Ram and Deepika Chikhaliya played the role of Mother Sita. Meanwhile, Sunil Lahiri, who played the role of Laxman in the same show, has now spoken on Nitesh Tiwari's Ramayana. Alia and Ranbir are going to be seen in it. Sunil Lahiri, who played the role of Laxman in the Ramayana serial, has given an interview. In this, he has revealed that Ranbir Kapoor will be suitable for the role of Lord Shri Ram but he has doubts about the selection of Alia Bhatt for the role of Mata Sita. Both Ranbir and Alia will be seen in Nitesh Tiwari's Ramayan as Lord Ram and Mother Sita. Has the controversy over Adipurush come to an end? Meanwhile, the controversy on social media regarding the film Adipurush is not stopping. Significantly, Prabhas has played the role of Lord Shri Ram in this film. At the same time, Kriti Sanon has played the role of Mother Sita. Laxman was played by Sunny Singh. This film is directed by Om Raut. At the same time, the dialogues of the film have been written by Manoj Muntashir Shukla. There has been a lot of controversy regarding the scene and dialogue. Due to this, now Nitesh Tiwari's Ramayana has also become a topic of discussion. What role did Sunil Lahiri play in Ramanand Sagar's Ramayana? Sunil Lahiri played the role of Lakshman in Ramanand Sagar's Ramayana. This role was well liked. At the same time, the role of Prabhu Shri Ram was played by Arun Govil and Mata Sita was played by Dipika Chikhaliya. Even today, the audience watches this Ramayana with great interest. What has Sunil Lahiri said about Alia and Ranbir Kapoor? Sunil Lahiri has given an interview to Hindustan Times. In this he has discussed this topic in detail. He has said that if Alia Bhatt had played the role of Mother Sita 5 years ago, she would have looked better but now there are doubts about it. When she was asked about Ranbir Kapoor and Alia Bhatt, she said, "Both are also very good actors. I think both will do justice to the role. Ranbir Kapoor is a very good choice for Ram's role but I think Hai if Alia Bhatt was taken for the role of Sita Mata 5 years ago she would have done a better job. This is my personal opinion. Alia has changed over the years. How much justice will she do to the role now. It remains to be seen Will talk."